

# INDEX

Sr. No.	Topic	Date	Pages	Signature of the Supervisor
1)	Micro Teaching Lessons			गोपाल सिंह
1.	पंचन	8/12/14	1-4	
2.	विराम चिह्न	9/12/14	5-8	
3.	संज्ञा	10/12/14	9-12	
4.	कबीर के दोहे	11/12/14	13-16	
5.	ब्रह्म के दोहे	12/12/14	17-20	
2)	Mega Lessons			
1.	निबंध - जनसंख्या घुड़	15/1/15	21-26	
2.	कबीर की साखियाँ	17/1/15	27-32	
3.	समास	19/1/15	33-38	
4.	कविता - को शिक्षा करने वाली की	21/1/15	39-44	
5.	वाच्य	23/1/15	45-50	
3)	Discussion Lesson-I			गोपाल सिंह
	वर्ण व्यंजना	4/2/15	57-64	
4)	School Teaching Practice Lessons			अशोक क
1.	शब्द रचना	13/2/15	65-70	
2.	विराम चिह्न	14/2/15	71-75	
3.	मिठाई वाला	16/2/15	76-81	
4.	संज्ञा और सर्वनाम	18/2/15	82-87	
5.	मुहावरे व लोकोक्तियाँ	19/2/15	88-94	
6.	अव्ययपरी में राम	21/2/15	95-100	
7.	विशेषण	23/2/15	101-105	
8.	काल व उसके भेद	24/2/15	107-112	
9.	कारक - उसके भेद	25/2/15	113-118	
10.	क्रिया	26/2/15	119-124	
11.	शुद्ध भाषा हेतु प्रार्थना पत्र	27/2/15	125-130	
12.	संधि-प्रकार	28/2/15	131-136	
13.	वर्तनी विचार	9/3/15	137-142	
14.	ब्रह्म के दोहे	10/3/15	143-148	
15.	पिंडितियों का अष्टौतुनिया	10/3/15	149-154	
16.	अलंकार	10/3/15	155-160	
17.	समासुत्तमिन्नाथी शब्द	10/3/15	161-166	
18.	समानार्थी शब्द	11/3/15	167-171	
19.	निबंध - दीपावली	11/3/15	172-176	
20.	स्वास्थ्य अधिकारी का पत्र		177-182	
5)	Discussion Lesson-II			
	सूत्रोक्त व त्रिपाठी निरुक्ता	3/3/15	184-191	
6)	Observation Lessons		192-197	
7)	School Report			अशोक क



**MICRO TEACHING  
LESSONS**



Date ... 21/2/14 .....

Duration of the period ... 6 मिनट .....

Pupil Teacher's Name ... सरोज लकवाड .....

Pupil Teacher's Roll No. ... 1425 .....

Class ... 7 .....

Average Age of the pupils ... 12 .....

Subject ... हिन्दी शिक्षण .....

Topic ... विराम चिह्न .....

# उद्दीपन \* कौशल

## द्वारा अध्यापिका क्रियाएँ

## द्वारा क्रियाएँ

पूर्ण विराम :- "सामान्य कथन वाले सभी प्रकार के वाक्यों अर्थात् सरल, संयुक्त और मिश्र वाक्यों के अंत में पूर्ण विराम लगाया जाता है।"

पूर्ण विराम चिह्न का संकेत :-

पूर्ण विराम चिह्न के लिए '।' का प्रयोग किया जाता है।

प्रश्न :- पूर्ण विराम किसे कहते हैं?

उत्तर- सामान्य कथन वाले वाक्यों के अंत में प्रयोग होने वाले विराम चिह्न को पूर्ण विराम कहते हैं।

बिल्कुल सही ----!

## द्वारा अध्यापिका क्रियाएँ

प्रश्न :- पूर्ण विराम चिह्न का क्या संकेत है?

अर्द्ध विराम :- “ पूर्ण विराम से कम देर तक ककने के लिए अर्द्ध विराम का प्रयोग होता है। ”

प्रश्न - अच्छा बच्चों-! अल्प विराम का उदाहरण दीजिए।

अल्प विराम - “ अल्प विराम का प्रयोग वाक्यों को अलग करने के लिए किया जाता है। ”

जैसे - राम, श्याम और कमल एक कक्षा में पढ़ते हैं।

प्रश्न - राम, श्याम और कमल मित्रों के बीच विराम चिह्न बतारण?

प्रश्नवाचक :- इन वाक्यों के अन्त में प्रश्न सूचक चिह्न का प्रयोग किया जाता है।

## द्वारा क्रियाएँ

पूर्ण विराम चिह्न का संकेत (।) है।

बच्चों अल्प विराम का उदाहरण देते हुए -

“ परिश्रम ही जीवन है, आलस मृत्यु है। ”

राम, श्याम और कमल मित्र हैं। इस वाक्य में अल्पविराम का प्रयोग राम, श्याम के मध्य है।

राम, श्याम = , (अल्प विराम)

नहीं, इस वाक्य में (?) चिह्न का प्रयोग होता है।



## द्वारा अध्यापिका क्रियाएँ

## द्वारा क्रियाएँ

प्रश्न - तुम्हारा नाम क्या है? इस वाक्य में लगा चिह्न सही है--!

नहीं, इस वाक्य में (?) चिह्न का प्रयोग हीना था।

विस्मयादि सूचक चिह्न:- हर्ष, शोक, दुःख, हृषा आदि भावों को प्रकट करने के लिए विस्मयादि सूचक चिह्न का प्रयोग करते हैं।

प्रश्न - विस्मय सूचक चिह्न का क्या संकेत है?

उत्तर - विस्मय सूचक (!) यह है।

प्रश्न :- अच्छा बच्ची! विस्मय सूचक का उदाहरण दीजिए।

हाय! राम-----!  
औह! ठण्ड-----!

अवतरण चिह्न:- किसी कविता के शीर्षक कवि के नाम या किसी के द्वारा कही गई बात को ज्यों का त्यों लिखने के लिए प्रयोग किए जाने वाले शब्द अवतरण चिह्न कहते हैं।

अवतरण चिह्न का संकेत [ ] होता है।

जैसे - 'अनेकता में एकता है।'

प्रश्न - सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला में निराला शब्द कैसे लिखा जाएगा?

सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' लिखा जाएगा।

क्रम संख्या	घटक	रेंटिंग
1.	शरीर संचालन	0, 1, 2, 3, 4, 5
2.	हाव - भाव	0, 1, 2, 3, 4, 5
3.	आवाज़ का उतार-चढ़ाव	0, 1, 2, 3, 4, 5
4.	भाव केन्द्रिकरण	0, 1, 2, 3, 4, 5
5.	विराम प्रयोग	0, 1, 2, 3, 4, 5
6.	छात्र-शिक्षक अंतः क्रिया	0, 1, 2, 3, 4, 5
7.	दृश्य-श्रव्य क्रम परिवर्तन	0, 1, 2, 3, 4, 5

गोपाल शर्मा



Date..... १/१२/१५ .....

Duration of the period..... ३५ मिनट .....

Pupil Teacher's Name..... श्री राज लखवाड़ .....

Pupil Teacher's Roll No. .... 1425 .....

Class..... छठी .....

Average Age of the pupils..... 11 .....

Subject..... हिन्दी शिक्षण .....

Topic..... वचन .....

# उदाहरण कौशल

## दा० अध्यापिका क्रियाएँ

वचन :- "शब्द के जिस रूप से संख्या का पता चलता है उसे वचन कहते हैं।"

जैसे :- एक, दो, चार, पाँच आदि अचक्षा वचन। वचन का कोई उदाहरण बताओ।

उदाहरण - ① पंजाब में पाँच नदियाँ बहती हैं

② बाजार में कपड़ी का दुकाने हैं।

इन वाक्यों में नदियाँ और दुकानें क्या हैं? और क्यों?

## छात्र क्रियाएँ

छात्र वचन की समझते हुए वचन के उदाहरण देंगे।

रात-रातें, नदी-नदियाँ आदि।

इन वाक्यों में नदियाँ और दुकानें वचन हैं क्योंकि इससे संख्या तथा वस्तु का एक से अधिकता का आभास हो रहा है।

## ज्ञा० अध्यापिका क्रियाएँ

वचन दो प्रकार के होते हैं -

(क) एक वचन

(ख) बहु वचन

उदाहरण - इन वाक्यों में एक वचन  
और बहु वचन कौन से हैं?

रवि ने एक पुस्तक खरीदी  
आज मैंने आठ कैंसे खरीदे

एक वचन - "शब्द के जिस  
रूप से एक वस्तु  
या प्राणी का बोध होता है, उसे  
एक वचन कहते हैं।

जैसे - तितली, गिलहरी, पुस्तक  
आदि

उदाहरण - आज रात जल्दी  
ही गई  
इस वाक्य में रात क्या है?

अच्छा बच्चा! एक वचन के  
उदाहरण बताओ।

## ज्ञात्र क्रियाएँ

एक वचन - पुस्तक

बहु वचन - आठ कैंसे

इस वाक्य में 'रात'  
एक वचन है।

एक वचन के उदाहरण  
मदी घुड़कान, माता,  
पुस्तक आदि।



## द्वारा अध्यापिका क्रियाएँ

बहुवचन - "शब्द के जिस रूप से एक से अधिक वस्तुओं या प्राणियों का बोध होता है, उसे बहुवचन कहते हैं।"

जैसे - तिलियाँ, गिलहरियाँ, पुस्तकें आदि।

उदाहरण - हमारे शहर की सभी दुकानें खुली हैं। कुल पाँच लड़कियाँ स्कूल नहीं आईं।

इन वाक्यों में बहुवचन की पहचानो।

वचन की उपयोगिता :-

वचन के प्रयोग से किसी भी वस्तु या प्राणी की संख्या ज्ञात की जा सकती है कि वह एकवचन है या बहुवचन है।

## द्वारा क्रियाएँ

इन वाक्यों में दुकानें और लड़कियाँ बहुवचन हैं।

बच्चे बहुवचन के उदाहरण देंगे -

नदियाँ, दुकानें, माताएँ, पुस्तकें आदि।

द्वारा उदाहरणों के माध्यम से वचन के महत्व की समझने का प्रयास करेंगे।

## दात्रा अध्यापिका क्रियाएँ

बहुत अच्छे -- !

प्रश्न - व्यक्तिवाचक संज्ञा  
कैसे कहते हैं?  
और एक उदाहरण  
दीजिए।

प्रश्न - जातिवाचक संज्ञा  
कैसे कहते हैं?  
उदाहरण दीजिए।

प्रश्न - जातिवाचक सिंह  
संज्ञा कैसे कहते  
हैं? उदाहरण दीजिए।

प्रश्न - जाति वाचक संज्ञा  
के भेद बताइए?

## दात्र क्रियाएँ

जिस संज्ञा से किसी  
व्यक्ति विशेष का बोध  
है उसे व्यक्तिवाचक संज्ञा  
कहते हैं।  
जैसे - भगत सिंह

जिस संज्ञा शब्द से किसी  
वस्तु, प्राणी का जाति  
का बोध होता है। उसे  
जातिवाचक संज्ञा कहते हैं।  
जैसे - हिन्दू, नदी आदि

जातिवाचक संज्ञा के दो भेद  
होते हैं -

① समूहवाचक संज्ञा

② द्व्यवाचक संज्ञा



## छात्र अध्यापिका क्रियाएँ

प्रश्न - समूह वाचक संज्ञा  
कैसे कहते हैं? उदाहरण  
दीजिए।

शाबाश - - - - -!

प्रश्न - द्रव्यवाचक संज्ञा

कैसे कहते हैं?

प्रश्न - भाववाचक संज्ञा के  
उदाहरण दीजिए?

## छात्र क्रियाएँ

जिस संज्ञा शब्द से समूह का  
बोध होता है उसे समूहवाचक  
संज्ञा कहते हैं।

जैसे - कक्षा, टीम, परिवार  
और समुदाय आदि।

जिस संज्ञा शब्द से किसी

द्रव्य का बोध हो, उसे

द्रव्यवाचक संज्ञा कहते हैं।

भाववाचक संज्ञा के उदाहरण  
निम्नलिखित हैं -

मिठास, बुढ़ापा, जर्मी, सर्दी

बचपन, कड़वापन, क्रोध,

प्रसन्नता आदि।

क्रम  
संख्या

घटक

रैंटिंग स्केल

1.

प्रस्तावना कथन का  
संश्लेषण/उदाहरणों का  
निर्माण

0, 1, 2, 3, 4, 5

2.

प्रश्न व्याकरण की दृष्टि से  
शुद्ध।

0, 1, 2, 3, 4, 5

2.

सम्बन्धित उदाहरणों का  
उचित विराम एवं जान

0, 1, 2, 3, 4, 5

3.

4.

प्रश्नों का विकरण -

0, 1, 2, 3, 4, 5

3.

① पूरे कक्षा से का  
② उत्तर के अक्षुब्ध हाथ से  
③ उत्तर के अनिच्छुक हाथ

0, 1, 2, 3, 4, 5

0, 1, 2, 3, 4, 5

⑤

आवाज

0, 1, 2, 3, 4, 5

उदाहरणों के लिए

6.

निम्न क्रम के प्रश्नों का  
पर्याय

0, 1, 2, 3, 4, 5

7.

माध्यम क्रम के प्रश्न

0, 1, 2, 3, 4, 5

8.

उच्च क्रम के प्रश्नों का

0, 1, 2, 3, 4, 5

9.

निष्कर्षात्मक कथन का  
प्रयोग

0, 1, 2, 3, 4, 5

अभिप्रेत



Date 11/12/14

Duration of the period 35 मिनट

Pupil Teacher's Name सरोज लकवाड़

Pupil Teacher's Roll No. 1425

Class सातवीं

Average Age of the pupils 12

Subject हिन्दी शिक्षा

Topic "कबीर के दोहे"

# पुनर्बलन कौशाल

## दात्रा अध्यापिका क्रियाएँ

"कबीरा संगत साधु की,  
हरे और की व्याधि  
असंगत बुरी असाधु की  
आठौ पहर उपाधि!!"

प्रश्न - संगत का क्या  
अर्थ है?

प्रश्न - यह दोहा कहाँ से लिया  
गया है?

प्रश्न :- कबीर ने किस  
राह पर चलने की  
बात कहा है?

## द्वारा क्रियाएँ

उत्तर - संगत से अभिप्राय है  
साथ या संग रहना।

उत्तर - यह दोहा कबीर की  
साखी से लिया गया है।

कबीर ने असंगत में रहने  
की राह पर चलने की  
कहा है।

## द्वारा व्यापिका क्रियाएँ

प्रश्न - साधु शब्द किसके  
लिए प्रयोग किया  
गया है।

प्रश्न कबीर ने किसके  
बारे में बताया ?

बिल्कुल सही -- !

प्रश्न समाज किन लोगों  
से दूर रहता है ?

बहुत अच्छे शाबाश -- !

प्रश्न - असाधु से क्या  
अभिप्राय है ?

## द्वारा क्रियाएँ

साधु शब्द का प्रयोग समाज  
व्यक्ति के लिए किया  
गया है।

कबीर ने अच्छे मित्र के  
बारे में बताया है।

समाज दुर लोगों से  
दूर रहता है।

असाधु से अभिप्राय है  
दुर्गुणों व्यक्ति।



## द्वितीया अध्यापिका क्रियाएँ

## द्वितीया क्रियाएँ

प्रश्न - प्रस्तुत दौटा किसका  
है?

यह दौटा कबीर जी का  
है।

प्रश्न - व्याधि का क्या अर्थ  
है?

व्याधि से अभिप्राय है  
'धरैशानी'

बहुत अच्छे - - - - !

प्रश्न आठौ पहर से कवि  
कथा कहना चाहता  
है?

आठौ पहर से अभिप्राय है  
है हर समय

शाबाश बहुत अच्छे - - - - !

क्रम संख्या

घटक

रेटिंग स्केल

- |     |   |                  |
|-----|---|------------------|
| 1.  | प्रस्तावना कथन का प्रयोग                          | 0, 1, 2, 3, 4, 5 |
| 2.  | निष्कर्षात्मक कथन का प्रयोग                       | 0, 1, 2, 3, 4, 5 |
| 3.  | प्रंशंसात्मक शब्दों का प्रयोग                     | 0, 1, 2, 3, 4, 5 |
| 4.  | सकारात्मक कथनों का प्रयोग                         | 0, 1, 2, 3, 4, 5 |
| 5.  | विद्यार्थी के सुझावों का समर्थन                   | 0, 1, 2, 3, 4, 5 |
| 6.  | ज्ञान का उत्साह बढ़ाना                            | 0, 1, 2, 3, 4, 5 |
| 7.  | हाव भाव   | 0, 1, 2, 3, 4, 5 |
| 8.  | सही उत्तर को चॉकबोर्ड पर लिखना                    | 0, 1, 2, 3, 4, 5 |
| 9.  | पुनर्बलन का ज्ञान के लिए प्रयोग                   | 0, 1, 2, 3, 4, 5 |
| 10. | पुनर्बलन में प्रयुक्त कथनों में नवीनता            | 0, 1, 2, 3, 4, 5 |
| 11. | अवांछनीय व्यवहार नकारात्मक प्रवृत्तियों का प्रयोग | 0, 1, 2, 3, 4, 5 |
| 12. | प्रवृत्तियों का सही प्रयोग                        | 0, 1, 2, 3, 4, 5 |

120

दीपिका



Date: 12/12/14

Duration of the period: 6 मिनट

Pupil Teacher's Name: सरोज लकवाड

Pupil Teacher's Roll No.: 1425

Class: VIII

Average Age of the pupils: 13+

Subject: हिन्दी शिक्षण

Topic: रहीम के दोहे

# व्याख्या कौशल

## दात्रा अध्यापिका क्रियाएँ

“ कोई रहीम सम्यक् जगै,  
बनत बहुत बहु रीत।  
विपत्ति कसौली जे कसै,  
तेई साँच मीत ! !

## दात्र क्रियाएँ

बच्चे उत्तर देंगे

प्रश्न - कसौली का क्या अर्थ है?

कसौली का अर्थ परीक्षा होता है।

बहुत अच्छे---!

संदर्भ - प्रस्तुत पंक्तियाँ कृष्णदास द्वारा रचित 'साखा' शीर्षक से ली गई हैं

प्रसंग :- प्रस्तुत पंक्तियों में सच्चे मित्र के महत्व को बताया है। सच्चे मित्र व दुर्जन व्यक्तियों पर चर्चा की गई तथा समाज पर इसके प्रभाव

## द्वारा अध्यापिका क्रियाएँ

## द्वारा क्रियाएँ

की दर्शाया गया है।

व्याख्या :- कृष्ण ने सच्चे मित्र के सम्बन्ध में बताया गया है कि सम्पत्ति बढ़ने पर तो सब लोग अपने बन जाते हैं परंतु सच्चा मित्र वही होता है जो संकट के समय हमारा साथ है। संकट के समय में ही अपने व पराएँ की पहचान होती है।

प्रश्न- कृष्ण ने किसके बारे में बताया है?

इसके विपरीत जो लोग सिर्फ सुख सम्पत्ति होने पर हमारा अपना बनने का दिखावा करते हैं संकट के समय उनका अपनत्व दूँट नहीं मिलता।

कृष्ण ने सच्चे मित्र के बारे में बताया है।



## छात्र अध्यापिका क्रियाएँ

## छात्र क्रियाएँ

प्रश्न - संकट किस की पहचान करवाता है?

सच्चे मित्रों की।

अतएव व्यक्ति को सदैव उन लोगों से मित्रता करने चाहिए जो संकट के समय भी हमारे साथ खड़े हों।

प्रश्न - कबीर के कस होठे की कहां से लिया गया है?

कबीर के कस होठे की 'स्वार्थ' से लिया गया है।

प्रश्न - कबीर ने किन-को सच्चा मित्र बताया है?

जो संकट के समय साथ हैं।

प्रश्न - पैसा रहने पर कौन सम्बन्धी बन जाता है?

स्वार्थी लोग पैसा रहने पर संबंधी बन जाते हैं।

क्रम  
संख्या

घटक

रैटिंग स्केल

1.

संक्षिप्तता

0, 1, 2, 3, 4, 5

2.

सार्वकता

0, 1, 2, 3, 4, 5

3.

स्पष्टता

0, 1, 2, 3, 4, 5

4.

विशिष्टता

0, 1, 2, 3, 4, 5

5.

व्याकरणिक शुद्धता

0, 1, 2, 3, 4, 5

6.

आवाज़ का उतार-चढ़ाव

0, 1, 2, 3, 4, 5

7.

भाव केन्द्रिकरण

0, 1, 2, 3, 4, 5

शुभाशुभा



**MEGA TEACHING  
LESSONS**

Date 15/11/15

Duration of the period 35 मिनट

Pupil Teacher's Name सरोज लकवाड़

Pupil Teacher's Roll No. 1425

Class आठवीं

Average Age of the pupils 13

Subject हिन्दी शिक्षण

Topic "जनसंख्या वृद्धि" लेख

# अनुदेशानात्मक उद्देश्य

I

पाठोपरांत छात्र-

भारत में व्याप्त विभिन्न समस्याओं का

ज्ञान प्राप्त कर पाएँगे।

② जनसंख्या के बारे में सामान्य जानकारी प्राप्त कर पाएँगे।

II

① विद्यार्थी जनसंख्या की वृद्धि से होने वाली समस्याओं को जान पाएँगे।

② इस विकट समस्या के बारे में विस्तार से समझ पाएँगे।

III

① इस समस्या के हल के विषय में विभिन्न तरीकों में प्रयोग कर पाएँगे।

② जनसंख्या वृद्धि से होने वाले विभिन्न समस्याओं को हल कर पाएँगे।

IV

① विद्यार्थी जनसंख्या वृद्धि की समस्याओं का विश्लेषण कर पाएँगे।

② जनसंख्या वृद्धि की समस्याओं का मूल्यांकन कर पाएँगे।



## सहायक सामग्री :-

① सामान्य

- जनसंख्या संबंधी चार्ट।

② विशिष्ट

# पूर्वज्ञान परीक्षण

प्रस्तावित प्रश्न	संभावित प्रश्न
① जनसंख्या किसे कहते हैं?	जनसंख्या लोगी की संख्या को कहते हैं।
② जनसंख्या वृद्धि क्या है?	आवश्यकता से अधिक जनसंख्या का होना।
③ क्या जनसंख्या वृद्धि एक समस्या है?	हाँ
④ जनसंख्या वृद्धि समस्या क्यों है?	जनसंख्या वृद्धि से बेरोजगारी, भूखमरी जैसी समस्या बढ़ती है।
⑤ बच्चों-! जनसंख्या वृद्धि के घटक/कारण क्या हैं?	समस्यात्मक प्रश्न

## उद्देश्यकथन :-

आओ बच्चों आज हम जनसंख्या वृद्धि के कारणों की चर्चा करेंगे।



# प्रस्तुतीकरण

शिक्षण विन्दु

शिक्षण विधि

ज्ञानाभ्यापिका क्रियाएँ

कलात्मक विधाएँ

जनसंख्या वृद्धि की भूमिका

व्याख्या तथा वार्तालाप विधि

भारत की लगातार बढ़ती हुई जनसंख्या एक समस्या के रूप में सामने आने लगी है। जनसंख्या का इस प्रकार दिनों दिन बढ़ना एक भयंकर समस्या है।

पुस्तक 2

उत्तर 2

पुस्तक 1

उत्तर 2

2.

प्राचीन स्थिति

व्याख्या व वार्तालाप

वेदों में इस पुत्रों की कामना की गई है। सावित्री ने अपने लिए सौ भद्रों तथा सौ पुत्रों का वर माँगा था। कौरव भी सौ भद्र थे इस प्रकार अतीत और आज में काफी अन्तर हो गया है। समाज की दृष्टि से पुरानी परम्पराओं के अनुसार चलना

उत्तर 2



क्र०संख्या	शिक्षण बिन्दु	शिक्षण विधि	ज्ञा० आ० क्रियारूँ	ज्ञात क्रियारूँ	चॉकबोर्ड
			मनुष्य की प्रगति में बाधा है।		
3.	वर्तमान स्थिति	व्याख्या व वार्तालाप	वर्ष 2001 की जनगणना के अनुसार भारतवर्ष की जनसंख्या एक अरब से अधिक है लेकिन		
	वर्तमान स्थिति	व्याख्या व वार्तालाप	आज 2015 में भारत की जनसंख्या में आवश्यकता से अधिक वृद्धि हो चुकी है।	प्रश्न - वर्तमान समय में भारत की जनसंख्या क्या है?	
	वर्तमान स्थिति	व्याख्या व वार्तालाप	2011 की जनगणना के अनुसार आज भारत	उत्तर - वर्तमान समय में भारत की जनसंख्या 121 करोड़ के ऊपर है।	

श्री. विधि श्री. बिन्दु हा० अध्यापिका क्रियाएँ

व्याख्या व वर्तमान वार्तालाप स्थिति का जनसंख्या 121 करोड़ का आंकड़ा पार कर चुका है।

50

30

वार्तालाप विधि जनसंख्या वृद्धि से समस्याएँ जनसंख्या वृद्धि सब स्थितियों में ठीक नहीं है। यदि पर्याप्त समाधान नहीं होते हैं तो जनसंख्या वृद्धि का मुख्य कारण है -

1. भूखमरी
2. बेरोजगारी
3. अशिक्षा
4. निम्न जीवन स्तर

50

50

वार्तालाप विधि समस्या का समाधान जनसंख्या नियंत्रण के निम्न समाधान हो सकते हैं -

1. सबको शिक्षित किया जाए।
2. परिवार नियोजन के उपायों की अपनाना जाए।
3. लैंगिक जनसंख्या वृद्धि का समाधानों से जागरूक करें।



# मूल्यांकन

- ① जनसंख्या वृद्धि क्या है?
- ② जनसंख्या वृद्धि को कैसे रोक जा सकता है?
- ③ शिक्षा क्यों आवश्यक है?

# गृहकार्य

- ① जनसंख्या वृद्धि के बारे में विस्तार पूर्वक लिखो।

②

सुनिश्चित

## LESSON No. 2.....

Date..... 17/11/15.....

Duration of the period..... 35 मिनट.....

Pupil Teacher's Name..... श्वरी ज लकवाड़.....

Pupil Teacher's Roll No. .... 1425.....

Class..... VI.....

Average Age of the pupils..... 11+.....

Subject..... हिन्दी शिक्षण.....

Topic..... कबीर की साखियाँ.....

# अनुदेशनात्मक उद्देश्य

I

पाठोपरान्त क्षत्र -

① विद्यार्थी 'कविता' के स्वर प्रवाह तथा भावों के अनुसार साखियों के ज्ञान की प्राप्ति कर पाएँगे।

② कविता की सामान्य जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।

II

→ ① विद्यार्थी कविता की उपयोगिता समझ पाएँगे।

② विद्यार्थी कविता के प्रति अपनी भावनाओं को सक्रिय कर पाएँगे।

III

① विद्यार्थी सच्चाई व ईमानदारी के महत्व को समझकर उनका प्रयोग कर सकेंगे।

IV

① साखियों का मूल्यांकन कर पाएँगे।

② कविता का संश्लेषण कर पाएँगे।



## सहायक सामग्री :-

- ① सामान्य → चाँक-बोर्ड, साँक-समैतिका, उस्त  
② विशिष्ट → चाँक, मॉडल, कविता का चाँक। रेडियो - स्मृति

# पूर्वज्ञान परीक्षण

प्रस्तावित प्रश्न	संभावित उत्तर
① बच्चों क्या आपने सैत कबीर का नाम सुना है?	हाँ
② निर्गुणकारी ईश्वर में विश्वास रखने वाले कवि कौन थे?	कबीर दास जी।
③ प्राचीनकाल के कवि कौन से हैं?	तुलसीदास, रहीमदास, कबीर बिहारीलाल आदि।
④ सैत कबीर की रचनाओं को क्या कहते हैं?	समस्यात्मक प्रश्न

## उद्देश्य कथन :-

आओ बच्चों आज हम कबीर जी के विषय में जानेंगे व उनकी रचना को पढ़ेंगे।



# प्रस्तुतीकरण

शिक्षणविदुं शिक्ष. विधि छा. अध्यापिका क्रियाएँ

कबीर  
संगत  
साधु की  
दर और  
की व्याधि  
संगत बुरी  
असाधु  
की आठो  
पहर  
उपाधि

आदर्श  
वाचन  
व  
वार्तालाप  
विधि

कबीरदास कहते हैं कि एक सज्जन व्यक्ति अर्थात् गुणवान व्यक्ति के साथ रहने से दुर्जन व्यक्ति भी सतकर्म करने लगता है। जो व्यक्ति बुरे कार्य करते हैं वे भी सच्चे, ईमानदार व्यक्तियों के संपर्क में आकर बुरे कर्मों से बचने की कोशिश करते हैं।

बुरे कर्मों में लिप्त व्यक्तियों के संपर्क में रहने पर अच्छा व्यक्ति भी बुरे कार्य करने लगता है। अर्थात् बुराई से बुरा होता है।

प्रश्न  
उत्तर

प्रश्न  
उत्तर



क्र०सं०	शिक्षण बिन्दु	शिक्षण विधि	ज्ञानाद्यापिका क्रियाएँ	ज्ञान क्रियाएँ	चौक बोर्ड कार्य
2.	संगति का उद्घाटन	प्रदर्शन विधि	अंशुलीमाल डाकू के नाम से प्रसिद्ध वाल्मीकी उल्ला नाम के महत्व की समझ और रामायण की रचना की।		
3.	सम्बन्धित प्रश्न	प्रश्न विधि	अंशुलीमाल डाकू का क्या नाम पडा?	वाल्मीकी रामायण रचयिता।	
4.	कबीरा यह घर प्रेम का खाला घर नाँह सीस उतारे हाथ करि सौ मँठे घर माँह।	आदर्श वाचन व व्याख्या विधि	कबीरदास में आत्मा और परमात्मा के बीच की खाई को संबन्धित साखी के माध्यम से बताया है, कि परमात्मा को प्राप्त करना अर्थात् ईश्वर को प्राप्त सर्वधारण व्यक्ति को नहीं हो सकता क्योंकि यह तो सच्चा		

कबीरा  
यह घर  
प्रेम का  
खाला घर  
नाहि सीस  
उतारे हाथ  
करि सौं  
वैठे घर  
माहि

व्याख्या  
विधि

व्याख्या  
विधि

साधना का कार्य है। इस  
प्रेम रूपी घर में आसुर्य  
पाना सबका कार्य नहीं  
है कोई भी व्यक्ति  
इसमें सरलता से प्रवेश  
नहीं पा सकता। इसमें  
वही व्यक्ति प्रवेश पा  
सकता है, जो अपना  
सर कटवा सकता है,  
अर्थात् अपने जीवन को  
परवाह न करे। वही  
परमात्मा को पा सकता  
है।

प्रश्न

उत्तर

5. संबंधित  
प्रश्न

प्रश्न  
विधि

कबीर ने गुरु की  
महिमा से ईश्वर  
प्राप्ति का रास्ता  
बताया है गया है।

ईश्वर प्राप्ति के  
लिए कबीर जी ने  
क्या राह बताई है?



# मूल्यांकन:-

- ① अच्छे व्यक्तियों की संगति क्यों करनी चाहिए?
- ② अच्छे व्यक्तियों की समाज में सम्मान क्यों मिलता है?
- ③ आत्मा और परमात्मा का मिलन कैसे संभव है?

# गृहकार्य:-

- ① कबीर की साखी का क्या अर्थ है?
- ② असाधु शब्द का क्या अर्थ है?
- ③ अच्छी संगति के परिणाम क्या होते हैं?

अ. गुप्ता

# LESSON No. 3.....

Date..... 19/11/15.....

Duration of the period..... 35 मिनट.....

Pupil Teacher's Name..... श्रीमती लकवा.....

Pupil Teacher's Roll No. .... 1425.....

Class..... आठवीं.....

Average Age of the pupils..... 13.....

Subject..... हिन्दी शिक्षण.....

Topic..... व्याकरण-समास.....

# अनुदेशनात्मक

# उद्देश्य

पाठोपरान्त छात्र -

I

1) आपस में सम्बन्ध रखने वाले शब्दों के श्रेणियों में ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।

2) दो या दो से अधिक पदों के मेल की समझने का ज्ञान प्राप्त करेंगे।

II

1) विद्यार्थी परस्पर सम्बन्ध रखने वाले शब्दों की जानकारी रख पाएँगे।

2) छात्र पदों को संक्षिप्त करना या छोटा करना सीख पाएँगे।

III

1) विद्यार्थी दो या अधिक पदों के आपसी संबंध की समझ पाएँगे।

2) शब्दों की गम्भीरता के आधार पर सश्लेषण कर पाएँगे।

IV

1) विद्यार्थी शब्दों का मूल्यांकन कर सकेंगे।



① सामान्य  
 ② निश्चित  
 सहायक सामग्री :- समास के प्रकारों वाला चार्ट।

# पूर्वज्ञान परीक्षा

प्रस्तावित प्रश्न	संभावित उत्तर
① क्या शब्दों का आपस में संबंध होता है?	हाँ
② अपनी बात को संक्षिप्त रूप से लिखा जा सकता है?	हाँ
③ परस्पर सम्बन्ध रखने वाले शब्दों को क्या कहते हैं?	समस्यात्मक प्रश्न

उद्देश्य कथन:-

आओ बच्चों आज हम समास व उसके प्रकार के बारे में पढ़ेंगे।

# प्रस्तुतीकरण

विद्युत बिंदु विद्युत विधि हाता अध्यापिका क्रियाएँ

समास का अर्थ

आगमन विधि

“परस्पर संबंध रखने वाले दो या दो से अधिक शब्दों के मेल को समास कहते हैं।”

प्रश्न  
उत्तर

समास एक प्रकार का शब्द रचना विधि है।

प्रश्न  
उत्तर

समास के भेद

प्रदर्शन विधि

समास के छः भेद होते हैं-

1. तत्पुरुष समास
2. कर्मधारय समास
3. द्विविधु समास
4. बहु-व्रीहि समास
5. द्वुवद्व समास
6. अव्ययीभाव समास

3. तत्पुरुष समास

व्याख्या विधि

जिस समास में कारण चिह्नों का लोप हो तथा बाद



क्रम संख्या	शि० बिन्दु	शि० विधि	दा० अध्यापिका क्रियाएँ	दा० क्रियाएँ	-चॉकबोर्ड
			का पद प्रधान ही उसे तत्पुरुष समास कहते हैं।		
4.	संबंधित प्रश्न	उदाहरण  प्रश्न-उत्तर विधि	जैसे - गगन चुम्बी बच्ची कोई उदाहरण दीजिए	लोकप्रिय लोक में प्रिय	
5.	कर्मधारय समास	व्याख्या विधि	जिस समस्त पद में पूर्व पद तथा उत्तर पद में विशेषण-विशेष्य अवयव उपमेय - उपमान का संबंध हो, वह कर्मधारय समास होता है।	धनहीन - धन से हीन	
6.	द्विवचन समास	प्रदर्शन विधि	इस समास का पहला पद संख्यावाचक विशेषण होता है।		



चिह्न विंदु

शि. विधि

का. अख्यापिका क्रिया

दात्र क्रिया

चाँक बौड कार्य

यह भी तत्पुरुष का  
ही एक भेद माना  
जाता है।

सप्ताह -  
सात दिनों  
का समूह

बहुव्रीहि  
समास

व्याख्या  
विधि

जिस समास में ना तो  
पूर्वपद प्रधान है और  
न ही उत्तरपद प्रधान  
है अपितु दोनों ही  
पद गौण ही तथा  
वे दोनों पद किसी  
अन्य पद के संबंध  
में कहते हैं।

पिताम्बर  
पीला है जो अम्बर  
माता-पिता  
माता और  
पिता

द्वंद्व  
समास

व्याख्या  
विधि

जिस समास में दोनों पद  
प्रधान होते हैं, तथा कोई भी  
पद गौण नहीं होता उसे द्वंद्व  
समास कहते हैं।

थोड़ा-बहुत  
थोड़ा या  
बहुत

अव्ययीभाव  
समास

निगमन  
विधि

जिस समास में पहला पद प्रधान  
है और वह अव्यय होता है,  
वह अव्ययीभाव समास  
कहलाता है।

प्रतिवर्ष  
प्रत्येक वर्ष

आभरण -  
मरण तक



① सामान्य  
 ② विशिष्ट  
 ↓  
 सहायक सामग्री :- कविता लिखा हुआ चार्ट।

# पूर्वज्ञान परीक्षण

प्रस्तावित प्रश्न	संभावित उत्तर
① मेहनत करने से क्या लाभ होता है?	जीवन में सफलता प्राप्त होती है।
② यदि कभी असफलता देखने की मिले तो क्या-क्या करना चाहिए?	असफलता से डरना नहीं चाहिए।
③ इस जीवन में किसको कभी भी हार का मुँह नहीं देखना पड़ता?	जो मेहनत करते हैं।
④ क्या आपको मेहनत से संबंधित कोई कविता आती है?	समस्यात्मक प्रश्न

## उद्देश्य कथन

बच्चों! आज हम व्यक्ति का मेहनती होना असफलता का मूल मंत्र है इस सम्बन्ध में एक व्यक्ति की कविता के आर्वाच का विस्तारपूर्वक अध्ययन करेंगे।



# प्रस्तुतीकरण

शिक्षण बिंदु      शिक्षण विधि      छात्र अध्यापिका क्रियाएँ

लहरो से  
डर कर  
नौका पार  
नहीं होता

आदर्श  
वाचन  
व  
व्याख्या  
विधि

कवि सूर्यकान्त त्रिपाठी  
'निराला' उद्यमशीलता  
की व्याख्या अपनी  
कविता शीर्षक -  
'कोशिश करने वालों की  
कभी हार नहीं होती'  
के माध्यम से  
सफलता प्राप्त करने  
का आदर्श प्रस्तुत  
करते हुए कहते हैं  
कि लहरो से डरना-  
कर कभी नाव से  
समुन्दर को पार नहीं  
किया जा सकता है।

प्रश्न  
उत्तर

प्रश्न-उत्तर  
विधि

संबंधित  
प्रश्न

प्रस्तुत कविता के  
कवि कौन हैं?

प्रश्न  
उत्तर

डुबकियाँ  
-----  
कोशिश  
करने  
वालों की

व्याख्या  
विधि

आगे कवि कहता है  
जिस प्रकार गौताखोर  
बार-2 समुद्र में



शिक्षण विन्दु	शिक्षण विधि	ज्ञान अध्यापिका क्रियाएँ	ज्ञान क्रियाएँ	चॉकबोर्ड कार्य
---------------	-------------	--------------------------	----------------	----------------

डुबकी लगाते हैं, और कई प्रकार हाथ खाली आते हैं, बिना कुछ बिरा वापस आ जाते हैं, सहज ही मीठी मिलना सम्भव नहीं है।

असफलता से हारने वाला मनुष्य पशु समान है।

संबंधित प्रश्न

प्रश्न - उत्तर विधि

पशु के समान कौन होता है?

असफलता से हारने वाला मनुष्य

असफलता एक चुनौती

आदर्श पाचन व

कवि निराला कहते हैं कि जीवन में असफलता एक चुनौती है इसे स्वीकार

कौशिका करने वालों को

व्याख्या विधि

करना चाहिए। अपनी कमियों पर ध्यान देना चाहिए और सुधार किया जाये तो सफलता

हार नहीं होती

विन्दु	शि० विधि	द्वान्त्र अभ्यापिका क्रियाएँ
असफलता	व्याख्या	मिल सकती हैं। कवि का कथन है कि इस संवर्षमय जीवन का मैदान केवल असफलता देखकर नहीं ढौडना चाहिए इस जीवन-रूपी मैदान में बिना संघर्ष का खेल जीते जय-जयकार नहीं होता है।

प्रश्न  
उत्तर

संबंधित	प्रश्न	जो कोशिश करते हैं उनका कभी पराजय नहीं होती।
---------	--------	---

प्रश्न  
उत्तर

प्रश्न-		बच्चों! किसकी दार कभी नहीं होती ?
---------	--	-----------------------------------



# मूल्यांकन:

- ① चाँदी कैसे मेहनत करती है?
- ② सफलता न मिलने पर क्या करना चाहिए?
- ③ मन का विश्वास रैगों में साहस किस प्रकार भरैगा?
- ④ जीताखोर गहरे पानी में क्यों उतरते हैं?

# गृहकार्य:

- ① कविता का भावार्थ लिखें।
- ② विश्वास, चढ़ना, गहरा, सफलता शब्दों का विलोम लिखिए।

20/11/2023

Date 23/1/15

Duration of the period 35 मिनट

Pupil Teacher's Name सुरीज लकवाड

Pupil Teacher's Roll No. 1425

Class आठवी

Average Age of the pupils 13

Subject हिन्दी - शिक्षण

Topic व्याकरण - वाच्य

# अनुदेशानात्मक

## उद्देश्य

पाठ्यपुस्तक विद्यार्थी—

I

① विद्यार्थी हिन्दी भाषा के महत्व की सामान्य जानकारी प्राप्त कर पाएंगे।

② विद्यार्थी किसी बात के प्रस्तुत करने के ढंग के विषय में सामान्य जानकारी प्राप्त कर पाएंगे।

II

→ ① विद्यार्थी हिन्दी भाषा में बात प्रस्तुत करने के ढंग की समझ पाएंगे।

III

① विद्यार्थी भाषा के ज्ञान में वृद्धि अपने जीवन में प्रयोग कर पाएंगे।

IV

→ ① विद्यार्थी वाच्य का भौव मूल्यांकन कर पाएंगे।



सहायक सामग्री

सामान्य →  
विशिष्ट →  
वाच्य संबंधी चार्ट।

# पूर्वज्ञान परीक्षण

प्रस्तावित प्रश्न	संभावित उत्तर
का० आ० बच्चों से पूछते हुए— ① क्रिया किसै कहते हैं?	किसी कार्य को करी जाने वाली प्रक्रिया।
② पढ़ना, लिखना, बोलना आदि क्या हैं?	क्रिया
③ क्रिया के कितने भेद हैं?	दो
④ हम बात करते हैं, बात करने के लिए किसका प्रयोग करते हैं?	भाषा
⑤ बोलने के ढंग को क्या कहते हैं?	समस्यात्मक प्रश्न

उद्देश्य कथन:—

बच्चों आज हम वाच्य के विषय में जानेंगे।

# प्रस्तुतीकरण

शिक्षण विधि	ज्ञान/अध्यापिका क्रियाएँ	ज्ञान क्रियाएँ
प्रदर्शन व व्याख्या विधि	<p>“किसी बात को प्रस्तुत करने के ढंग को वाच्य कहा जाता है।”</p>	
-	<p>① वाच्य किसे कहते हैं?</p>	<p>उत्तर - किसी बात को प्रस्तुत करने के ढंग को वाच्य कहते हैं।</p>
प्रश्न-उत्तर विधि	<p>वाच्य के तीन प्रकार हैं -</p> <ol style="list-style-type: none"> <li>1. कर्मवाच्य</li> <li>2. कर्तृवाच्य</li> <li>3. भाववाच्य</li> </ol>	<p>उत्तर - वाच्य के मुख्य रूप से 3 प्रकार हैं -</p>
प्रश्न-	<p>वाच्य के कितने प्रकार हैं?</p>	<p>① कर्मवाच्य ② कर्तृवाच्य</p>



शिक्षण बिन्दु	शिक्षण विधि	ज्ञानाध्यापिका क्रियाएँ	ज्ञान क्रियाएँ
---------------	-------------	-------------------------	----------------

कतृवाच्य

व्याख्या  
विधि

इसमें कर्ता की प्रधानता होती है और कर्ता के लिंग, लिंग के अनुसार ही क्रिया होती है।

3. भाववाच्य

उदाहरण

-

राम पुस्तक पढ़ता है।

ज्ञान अध्यापिका छात्रों से प्रश्न पूछेंगी -

उपरोक्त वाक्य में राम क्रिया है

करने वाला है तो यह कर्ता कहा जा सकता है या नहीं ?

उत्तर - राम

कर्ता है क्योंकि क्रिया उसे के द्वारा ही पढ़ाई है।

उदाहरण

॥

श्याम जाना जाता है ?

इस वाक्य में कर्ता बतलाओ।

उत्तर -

श्याम

शिक्षण विधि	ज्ञानाध्यापिका क्रियाएँ
-------------	-------------------------

व्याख्या विधि	इसमें कर्म की प्रधानता होती है इसमें क्रिया, कर्म के लिंग, वचन व पुरुष के अनुसार होती है।
---------------	---

उदाहरण	- सीता के द्वारा पत्र लिखा गया।
--------	---------------------------------

संक्षिप्त प्रश्न	प्रश्न- वाक्य में जहाँ कर्म की प्रधानता है उसे क्या कहते हैं?
------------------	---

उत्तर- वाक्य जहाँ कर्म की प्रधानता है वहाँ कर्म वाच्य होता है।

प्रव. वाच्य	प्रदर्शन और व्याख्या विधि	जब वाक्य में कर्ता व कर्म की प्रधानता ना होकर भाव की प्रधानता होती है तो वाक्य भाववाच्य कहलाता है। इसमें क्रिया प्रधान पुरुष एक वचन व पुल्लिंग में होती है
-------------	---------------------------	--

उदाहरण-	- ① मुझसे जाया नहीं गया।
---------	--------------------------



# मूल्यांकन

- ① वाच्य किसे कहते हैं?
- ② कर्मवाच्य से आप क्या समझते हैं?
- ③ "सीता के द्वारा पाठ पढ़ा गया" में कौन सा वाच्य है?

# गृहकार्य

- ① सभी विद्यार्थी वाच्य और उसके भेदों की याद करेंगे और लिख कर लायेंगे।
- ② कर्मवाच्य की परिभाषा लिखिए।
  - ③ कर्तृवाच्य के 5 उदाहरण लिखिए।
  - ④ "राम और श्याम से यह पाठ पढ़ा नहीं गया" किस वाच्य में आता है?

गोपाल



**DISCUSSION  
LESSON**



Date 4/2/15

Duration of the period 35 मिनट

Pupil Teacher's Name सरोज लकवाड़

Pupil Teacher's Roll No. 1425

Class 8

Average Age of the pupils 13

Subject हिन्दी - शिक्षण

Topic वर्ण व्यवस्था

# अनुदेशनात्मक उद्देश्य

पाठ्यपुस्तक विद्यार्थी

I → ① विद्यार्थी वर्ण संव भाषा में प्रयोग होने वाले सभी प्रकार की उच्चारित मौखिक भाषा की

जान पाएंगे।

② भाषा में लिखित शब्दों के उच्चारण में उतार-चढ़ाव से परिचित होंगे।

II → ① विद्यार्थी लिखित व मौखिक रूप से प्रयुक्त होने वाली भाषा में मात्राओं का ज्ञान

प्राप्त कर सकेंगे।

② विद्यार्थी शब्द निर्माण की प्रक्रिया जान सकेंगे।

III → ① विद्यार्थी दैनिक जीवन में प्रयुक्त होने वाली भाषा की आसानी से लिख व पढ़ पाएंगे।

IV → ① विद्यार्थी वर्ण व्यवस्था का संश्लेषण कर पाएंगे।



सहायक सामग्री :-   
 ① सामान्य सहायक सामग्री   
 ② विशिष्ट सहायक सामग्री   
 वर्णों का चार्ट

# पूर्वज्ञान परीक्षण

प्रस्तावित प्रश्न	संभावित उत्तर
① भाषा में प्रयुक्त होने वाले ध्वनियों को क्या कहा जाता है?	वर्ण
② क्या वर्ण और अक्षर में अंतर होता है?	हाँ
③ अक्षर किसे कहते हैं?	शब्दों के समुदाय को।
④ भाषा में वर्ण और अक्षर दोनों का प्रयोग होता है?	हाँ।
⑤ वर्णों के समुदाय को क्या कहते हैं?	समस्यात्मक प्रश्न

उद्देश्य कथन :- बच्चों! आज हम भाषा में प्रयुक्त वर्ण व्यवस्था के बारे में चर्चा करेंगे तथा वर्णों के विभिन्न समुदाय व वर्गीकरण के बारे में पढ़ेंगे।



# प्रस्तुतीकरण

शिक्षण विधि

ज्ञान अध्यापिका क्रियाएँ

प्रदर्शन  
व  
व्याख्या  
विधि

भाषा की सबसे छोटी इकाई वर्ण है। इन वर्णों के संयोग से शब्दों का निर्माण होता है। वर्ण का प्रयोग ध्वनि और ध्वनि चिह्न दोनों के लिए किया जाता है, क्योंकि ध्वनियों के उच्चारण और लिखित दोनों रूपों के प्रतीक हैं। इन वर्णों को वर्णमाला कहते हैं।

प्रदर्शन  
विधि

उच्चारण की दृष्टि से हिन्दी वर्णमाला को दो भागों में बाँटा जाता है

क) स्वर

ख) व्यंजन

शिक्षण बिन्दु	शिक्षण विधि	ज्ञान अध्यापिका क्रियाएँ	ज्ञान क्रियाएँ
---------------	-------------	--------------------------	----------------

स्वर	प्रदर्शन विधि	स्वर उन वर्णों को कहते हैं, जिनका उच्चारण स्वतंत्रता से ही सकता है ये व्यंजनों के उच्चारण में भी सहायक हैं। इनके उच्चारण में श्वास-वायु बिना किसी ककावट के मुख से निकलती है।
------	---------------	--

स्वरो की विशेषता है कि जब ये व्यंजनों से मिलते हैं तो मात्रा बन जाते हैं।

स्वर संख्या में 11 हैं।  
स्वर इस प्रकार हैं -  
अ, आ, इ, ई, उ, ऊ  
ऋ, ए, ऐ, औ, भौ

स्वर	प्रदर्शन व व्याख्या विधि
------	--------------------------

उच्चारण के आधार पर स्वरो के दो प्रकार हैं -  
① ह्रस्व स्वर  
② दीर्घ स्वर

ह्रस्व स्वर	व्याख्या विधि
-------------	---------------

जिन स्वरो को सबसे कम समय में उच्चारित किया जाता है, उन्हें ह्रस्व स्वर कहते हैं।



शि० विधि

द्वय अष्ट्यापिका क्रियाएँ

प्रदर्शन  
विधि

ह्रस्व स्वर हैं - अ, इ, उ, ऋ  
इनके उच्चारण में जी समय  
लगता है उसे एक मात्रा  
कहते हैं। ऋ का प्रयोग केवल  
संस्कृत (तत्सम) शब्दों में होता है।  
इन्हें (ह्रस्व स्वरों) मूल स्वर भी  
कहते हैं।

व्याख्या

जिन स्वरों में उच्चारण करते  
समय ह्रस्व स्वर से अधिक  
(दो मात्रा) का समय लगता है:  
उन्हें 'दीर्घ स्वर' कहते हैं।  
आ, ई, ऊ, ऐ, ए, औ, औ।

प्रदर्शन  
विधि

व्याख्या  
विधि

अनुस्वार व अनुनासिक स्वर  
अनुस्वार में वास केवल  
नाक से निकलता है जबकि  
अनुनासिक में मुख और  
नाक दोनों से।

अनुस्वार तीव्र व अनुनासिक  
धीमी ध्वनि हैं। इनके उच्चारण  
में पूर्ववर्ती स्वर की  
आवश्यकता होती है।

# मूल्यांकन :-

① भाषा की सबसे छोटी इकाई क्या

② वर्णों के संयोग से किसका निर्माण होता

③ वर्णों के समूहों को क्या कहते हैं?

④ स्वरों के प्रकार लिखो।

⑤ गौण व्यंजन क्रेन-2 से हैं?

# गृहकार्य :-

① कर्ण, चवर्ण, टवर्ण, तवर्ण व पवर्ण के सभी व्यंजनों को लिखो।

② वर्णों के समूह के बारे में लिखो।

अक्षरानुसंध





**SCHOOL TEACHING  
PRACTICE LESSONS**

Date 13/2/15

Duration of the period 35 मिनट

Pupil Teacher's Name सरोज लकवाड

Pupil Teacher's Roll No. 1425

Class सातवी

Average Age of the pupils 12

Subject हिन्दी शिक्षण

Topic शब्द रचना

# अनुदेशनात्मक उद्देश्य

I

① विद्यार्थी हिन्दी भाषा के लिखे गए एवं मौखिक रूप से कहे जाने वाले शब्दों की पहचान करने

के योग्य हो पाएंगे।

② विद्यार्थी शब्दों के माध्यम से वाक्य की रचना कर पाएंगे।

II

① विद्यार्थी हिन्दी भाषा के शब्दों से वाक्य बनाने के योग्य हो जाएंगे।

② विद्यार्थी विभिन्न प्रकार के शब्दों में भेद कर सकने में योग्य हो पाएंगे।

III

→ ① विद्यार्थी शब्दों की अपने सामान्य जीवन में प्रयोग कर सकेंगे।

② विद्यार्थी वाक्यों का निर्माण कर उनके अर्थों में अन्तर कर पाएंगे।

IV

① विद्यार्थी शब्दों के अर्थ का विश्लेषण कर पाएंगे।



संज्ञा

## सहायक सामग्री :-

शब्दों के प्रकार लिखा हुआ चार्ट

विाशी ८८ सहायक सामग्री

# पूर्वज्ञान परीक्षण

प्रस्तावित प्रश्न	संभावित उत्तर
<p>राम बाजार जाता है।</p> <p>① इस वाक्य में किसके निर्माण से शब्दों की रचना हुई है?</p>	वर्ण
<p>② वर्णों के कितने प्रकार होते हैं?</p>	क) स्वर (२७) व्यंजन
<p>③ वाक्य रचना के लिए किसकी जरूरत होती है?</p>	शब्द
<p>④ दो या दो से अधिक वर्णों के मेल से बने वाले सार्थक शब्द को क्या कहेंगे?</p>	समस्यात्मक प्रश्न

## उद्देश्य कथन :-

आओ बच्चों! आज हम आपको शब्द एवं उसकी रचना के बारे में जानकारी देंगे।

# प्रस्तुतीकरण

शब्द वि. विधि दा. अध्यापिका क्रियाएँ

व्याख्या  
विधि  
व  
प्रदर्शन  
विधि

शब्द निर्माण की दृष्टि  
से शब्दों को दो  
श्रेणियों में रखा जाता  
है।

(क) मूल शब्द

(ख) व्युत्पन्न शब्द

व्याख्या  
विधि

मूल शब्द - मूल शब्द  
को ही कटि  
शब्द कहा जाता  
है।

प्रदर्शन  
विधि

व्युत्पन्न शब्द - व्युत्पन्न  
शब्द उपसर्ग  
और प्रत्यय के योग  
से बनते हैं। उपसर्ग  
और प्रत्यय शब्द



**शि० बिंदु**      **शि. विधि**      **दा० अध्यापिका क्रियाएँ**

नहीं वरन् शब्दार्थ है।

उपसर्ग

व्याख्या  
विधि

वे शब्द जो मूल शब्द के पहले जुड़ते हैं और उसका अर्थ बदलते हैं उपसर्ग कहलाते हैं।

उदाहरण

① अभाव में अ उपसर्ग

② कुसंगति में कु उपसर्ग।

③ अत्यधिक में अति उपसर्ग है।

④ अनजान में अन उपसर्ग।

प्रश्न

प्रश्न-  
उत्तर  
विधि

① उपसर्ग किसे कहते हैं?

उत्तर- उपसर्ग वे शब्द होते हैं जो शब्द के आगे लग कर उसका अर्थ बदल दें।

# बहु शि. विधि छा. अध्यापिका क्रियाएँ

प्रश्न-  
उत्तर  
विधि

② बच्चों! अपसर्ग के उदाहरण दीजिए।

व्याख्या  
विधि

वे शब्द जो मूल शब्द के अन्त में जुड़कर शब्द का अर्थ परिवर्तित कर देते हैं, प्रत्यय कहलाते हैं।

उदाहरण

दैनिक - एक प्रत्यय  
सातवाँ - वा प्रत्यय

बंधित  
प्रश्न-उत्तर  
विधि

① बच्चों! प्रत्यय के उदाहरण दीजिए

प्रत्यय के प्रकार

प्रदर्शन व व्याख्या विधि

मुख्य रूप से प्रत्यय के दो प्रकार हैं -

(क) कृत प्रत्यय  
ख) तद्धित प्रत्यय

(क) कृत प्रत्यय - पठन, मनन, पीडा

(ख) तद्धित प्रत्यय - मानव, चंचल



# मूल्यांकन

- ① शब्द के कितने प्रकार होते हैं?
- ② मूल व व्युत्पन्न शब्द के उदाहरण दीजिए।
- ③ उपसर्ग किसी शब्द के पूर्व में प्रयुक्त होकर अर्थ परिवर्तन करते हैं अथवा अन्त में?
- ④ प्रत्यय कितने प्रकार के होते हैं? नाम लिखें।

# गृहकार्य

- ① बच्चों! आप सभी उपसर्ग व प्रत्यय के बीस-20 उदाहरण लिखिए।

*Shokk*

Date 14/2/15

Duration of the period 35 मिनट

Pupil Teacher's Name सरोज लकवाड़

Pupil Teacher's Roll No. 1425

Class सातवीं

Average Age of the pupils 12+

Subject हिन्दी शिक्षण

Topic विराम चिह्न

# अनुदेशानात्मक उद्देश्य

I

:- ① विद्यार्थी भाषा में प्रयुक्त होने वाले विभिन्न प्रकार के उतार-चढ़ाव ऋकना आदि

के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।

② विद्यार्थी लिखित व मौखिक भाषा के द्वारा अपने विचार व्यक्त कर सकेंगे।

II

:- ① विद्यार्थी विभिन्न प्रकार की पत्र-पत्रिकाओं एवं समाचार पत्र आदि को पढ़ने एवं समझने

की योग्यता प्राप्त कर सकेंगे।

III

① विद्यार्थी भाषा का दैनिक जीवन में लिखित एवं मौखिक दोनों रूपों

में प्रयोग कर सकेंगे।

IV

① विद्यार्थी भाषा के संक्षिप्त रूप को अपने शब्दों में व्याख्या करने के योग्य हो जाएंगे।



सहायक सामग्री:

(i) सामान्य

(ii) विशिष्ट

:- चॉक, चार्ट, संकेतक आदि।

# पूर्वज्ञान परीक्षा

प्रस्तावित प्रश्न	संभावित उत्तर
① रमेश बाजार गया है?	
① इस वाक्य के अंत में कौनसा चिह्न प्रयुक्त हुआ है।	विराम चिह्न
② भाषा के लिखित रूप मौखिक रूप में वाक्य के अंत में क्यों कका जाता है?	समस्यात्मक प्रश्न

सहायक उद्देश्य कथन

:- बच्चों! आज हम विराम चिह्नों के बारे में विस्तृत चर्चा करेंगे।

# प्रस्तुतीकरण

डि. विधि डा० अध्यापिका क्रिशाळें

प्रदर्शन  
व  
व्याख्या  
विधि

भाषा के लिखित रूप में वाक्य के बीच में तथा वाक्य के अंत में विराम के लिए कुछ संकेतो अथवा चिह्नों का प्रयोग किया जाता है। इन चिह्नों को विराम चिह्न कहा जाता है।

प्रश्न -  
उत्तर  
विधि

बच्चों! विराम का अर्थ क्या होता है?

प्रदर्शन  
विधि

विराम चिह्नों की मुख्यतः 12 प्रकार के होते हैं।

1. पूर्ण विराम (।)
2. अर्ध विराम (:)
3. अल्प विराम (,)
4. प्रश्न वाचक चिह्न (?)
5. विस्मयवाचक चिह्न (!)
6. शौचक चिह्न (-)
7. निर्देशक चिह्न (—)
8. अवतरण " (" " )
9. विपरण (:-)
10. कौष्ठक चिह्न (e)



शि० बिंदु

शि० विधि

द्वारा अध्यापिका क्रियाएँ

11. हंस पद (V)
12. लाघव चिह्न (0)

विराम चिह्न  
का  
प्रयोग

व्याख्या  
विधि

पूर्ण विराम - जब कोई वाक्य  
पूरा हो जाता है, तो उसके  
अंत में पूर्ण विराम का  
चिह्न लगाया जाता है।

व्याख्या  
व  
प्रदर्शन  
विधि

अर्ध विराम :- जब किसी  
वाक्य में ककने के लिए  
पूर्ण विराम का अपेक्षा  
कम समय लगता है,  
तो अर्ध विराम का  
प्रयोग होता है।

प्रदर्शन  
विधि

अल्प विराम :- अल्प विराम  
में सबसे कम  
समय तक ककना पड़ता है।

प्रश्नवाचक :- प्रश्न पूछने  
पर प्रश्न के अंत में  
प्रश्नवाचक चिह्न लगाया  
जाता है।

विस्मयवाचक :- इसका  
प्रयोग हर्ष,  
दुःख या शोक प्रकट करने  
के लिए किया जाता है।

## शु. विधि

## छा० अध्यापिका क्रियाएँ

व्याख्या  
विधि  
प्रदर्शन  
त  
व्याख्या  
विधि

योजन चिह्न :- शब्दों को जोड़ने का काम करते हैं।

निर्देशक चिह्न :- इसका प्रयोग किसी व्यक्ति विशेष को निर्देश देने के लिए किया जाता है।

अवतरण चिह्न :- अवतरण चिह्न दो प्रकार के होते हैं, जिसमें एकहरा और दोहरा अवतरण।

प्रदर्शन  
विधि

विवरण चिह्न :- किसी विषय का विवरण देने के लिए इसका प्रयोग किया जाता है।

व्याख्या  
त  
प्रदर्शन  
विधि

कोष्ठक :- कोष्ठक चिह्न का प्रयोग समान अर्थ वाले वाक्यों के लिए किया जाता है।

व्याख्या  
विधि

हंसपद :- छुटिपूरक चिह्न का प्रयोग जब वाक्य के बीच में छूट जाता है।

व्याख्या  
विधि

लाक्ष्य चिह्न :- वाक्यांश को संक्षिप्त लिखने के लिए।



# मूल्यांकन

- ① विराम चिह्न किसे कहते हैं?
- ② पूर्ण विराम का प्रयोग कहाँ पर होता है?
- ③ लाघव चिह्न का प्रयोग कहाँ पर होता है?
- ④ विकरण चिह्न का प्रयोग कहाँ पर होता है?

# गृहकार्य

बच्चों! आप सभी विराम चिह्नों के संकेतों को याद करके आइएँ एवं परिभाषा तथा उनके प्रयोग को स्पष्ट लिखकर लाइएँ।

*Arshika*

Date 15/2/15Duration of the period 35 मिनटPupil Teacher's Name सरोज लक्वाड़Pupil Teacher's Roll No. 1425Class आठवींAverage Age of the pupils 13Subject हिन्दी शिक्षणTopic मिठाई वाला

# अनुदेशानात्मक उद्देश्य

## I

① विद्यार्थी ग्रामीण जीवन के बारे में सामान्य जानकारी प्राप्त कर पाएँगे।

② विद्यार्थी अपने परिवार के बारे में सामान्य जानकारी प्राप्त कर पाएँगे।

## II

① विद्यार्थी स्वयं द्वारा खरीदी गयी वस्तुओं की सारणी बनाने के शौक्य होंगे।

② हाथ वस्तुओं का उपयोग करने की जानकारी प्राप्त कर पाएँगे।

## III

① विद्यार्थी समाज के हर कार्य को अपने बाल्य जीवन में प्रयोग कर पाएँगे।

## IV

① विद्यार्थी सुमान की खरीद संबंधी गुण व दोष जानने की सामान्य जानकारी कर पाएँगे।



① सामान्य सहायक सामग्री :- मिठाई वाले का चित्र।

② विशेष सहायक सामग्री

# पूर्वज्ञान परीक्षण

छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
① ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थी अपना मनपसंद खेत आदि का सामान किससे खरीदते हैं?	दुकान से।
② क्या आपके गाँव में कोई व्यक्ति कुछ सामान बेचने आता है?	हाँ आते हैं।
③ यदि आपके गाँव में कोई व्यक्ति कुछ सामान लेकर आरू तो आप क्या-2 खरीदेंगे ?	संभावित उत्तर

## उद्देश्य कथन

:- अच्छा बच्चों आज हम 'मिठाई वाले' के विषय में पढ़ेंगे।



# प्रस्तुतीकरण

कंडू शि. विधि छा. अध्यापिका क्रियाएँ

आदर्श  
वाचन  
व  
व्याख्या  
विधि

प्रस्तुत पंक्तियों के माध्यम से लेखक ने किसी ऐसी दुःखी व्यक्ति की जीवन शैली का विभिन्न घटनाओं का धार्मिक वर्णन किया है जिसमें वह एक ऐसे व्यक्ति को माध्यम बनाता है जो निर्यात दुःख के कारण अपने बच्चों से बिछुड गया है और अपने बच्चों का सुख पाने के लिए और उनके कौमल अंगों का पूर्ण रक्षा करने के आनन्द का अनुभव करना एक माध्यम है।

प्रश्न-उत्तर  
विधि

प्रस्तुत पाठ में कैसे व्यक्ति का वर्णन किया गया है?

बच्चों को खिलौने बेचने के लिए आकार उनकी कौमल उंगलियों का रक्षा करना . कितना महत्वपूर्ण



शिक्षण विंदु

शि. विधि

का. अध्यापिका क्रियाएँ

व्याख्या  
विधि

समझना मिठाई वाले  
की बच्ची के प्रति  
चार और दुलार का  
मार्मिक चित्रण किया  
गया है।

नगर भर  
में दो चार  
दिनों से  
एक मुरली  
वाले के  
आने का  
समाचार  
फैल गया।

आदर्श  
वाचन  
व  
व्याख्या  
विधि

मिठाई वाला व्यक्ति पुनः  
दो माह बाद अपना  
वेष बदल कर उसी  
गाँव में आता है।  
उस समय मुरली के  
माध्यम से उस  
गाँव में सुन्दर स्वर  
में पुकारता हुआ  
हैव मुरली बजाता  
हुआ बच्चों को  
अपनी प्रतिभा से  
आकर्षित करता  
था। लोग  
उसकी मुरली  
की मधुर-मधुर  
ध्वनि सुनकर  
अपन-अपन घरा  
से निकल पड़ते  
थे।

खिंदु शि. विधि डा. अध्यापिका क्रियाएँ

व्यक्ति  
प्रश्न -  
उत्तर  
विधि

① मिठाई वाला व्यक्ति गाँव में कितने समय के बाद आता है ?

माठ  
माह  
बाद  
मदों  
के  
देन  
पै।  
रोहिणी  
ध्यान  
करके  
कानके  
न पर  
चढ़कर  
माजानुंल  
बैत केश  
शि सुखा  
होयी

व्याख्या  
विधि  
व्याख्या  
विधि

लेखक ने फिर आठ माह बाद उसी व्यक्ति को काम बदलकर प्रवेश करते दिखाया है। तो गाँव की स्त्रियाँ भी अपना काम छोड़कर उस मिठाई वाले को देखने को उत्सुक हो जाती हैं। एक रोहिणी नाम की स्त्री स्नान करके छतू पर पहुँची और अपने धन बाल सुखा रही थी। इतने में मिठाई वाले के आने का स्वर मिलता है और सभी का ध्यान उस पर आकर्षित हो जाता है क्योंकि उसकी आवाज इतनी आकर्षक थी जिसने सबको अपना बना लिया।



# मूल्यांकन

- ① मिठाई वाला इसी गाँव में क्यों लक करता था?
- ② मिठाई वाला अपना किसके माध्यम से काम करना चाहता था?
- ③ मिठाई वाला को ही लेखक ने विभिन्न रूपों में गाँव में आते दिखाया गया है क्यों?

# गृहकार्य

- ① बच्चों आप यह बताओ कि चुन्नु-मुन्नु कौन हैं?
- ② आप सभी लोग रोहिणी के पति का नाम लिखें।
- ③ मिठाई वाला कौन था?
- ④ चुन्नु-मुन्नु की माँ का क्या नाम था?

Abhokk

Date 12/2/15

Duration of the period 35 मिनट

Pupil Teacher's Name सरोज लक्ताड

Pupil Teacher's Roll No. 1425

Class सातवीं

Average Age of the pupils 12

Subject हिन्दी शिक्षण

Topic संज्ञा व सर्वनाम

# अनुदेशनात्मक उद्देश्य

- ① क्रात्र संज्ञा व सर्वनाम शब्द को परिभाषित कर पाएँगे।
- ② संज्ञा शब्द से परिचित हो पाएँगे।

- ① संज्ञा व सर्वनाम के उदाहरण लिख पाएँगे।
- ② संज्ञा व सर्वनाम में अन्तर कर पाएँगे।

- ① संज्ञा व सर्वनाम का दैनिक जीवन में प्रयोग जान पाएँगे।
- ② सर्वनाम शब्दों का महत्व जानेंगे।

- ① वस्तु के नाम से उसके कार्य को संबंधित करने योग्य हो पाएँगे।



## सहायक सामग्री :-

- ① सैजा संबंधित चार्ट
- ② सर्वनाम के भेदों का चार्ट

# पूर्व ज्ञान परीक्षण

प्रस्तावित प्रश्न	संभावित उत्तर
① क्या आप कभी घूमने कहीं घूमने गए हैं?	हाँ।
② कहाँ गए थे?	आगरा, दिल्ली आदि
③ वहाँ आपने क्या-2 देखा	ताजमल (आगरा) लालकिला (दिल्ली)
④ क्या आपने इन वस्तुओं के विषय में कहीं पढ़ा है? (एक छात्र को खड़ा करके)	हाँ हमारी पुस्तक है
⑤ इस का नाम क्या है? क्या आप जानते हैं स्थान,	राम, श्याम, संभावित उत्तर
⑥ पस्तु या व्यक्ति के नाम को क्या कहते हैं?	समस्यात्मक प्रश्न।

## उद्देश्य कथन

आओ। बच्चों आज हम इस विषय में चुर्चुकी करेंगे कि इन्हें क्या कहा जाता है।

# प्रस्तुतीकरण

शब्द	विधि	दा. अध्यापिका क्रियाएँ
प्रदर्शन व व्याख्या	विधि	बच्चों --! किसी व्यक्ति, वस्तु अथवा स्थान के नाम की संज्ञा कहते हैं। जैसे - राम, दिल्ली, पुस्तक आदि।
संज्ञा	व्याख्या विधि	संज्ञा के तीन भेद होते हैं :- क) व्यक्तिवाचक संज्ञा ख) जातिवाचक संज्ञा ग) भाववाचक संज्ञा
व्यक्ति वाचक संज्ञा	व्याख्या विधि	वह संज्ञा शब्द जिससे किसी एक वस्तु, व्यक्ति अथवा स्थान के नाम का बोध हो



शि. विं०

शि. विधि

द्वा. अध्यापिका क्रियाएं

व्यक्तिवाचक संज्ञा कहलाती हैं।

संबंधित प्रश्न

प्रश्न उत्तर विधि

① व्यक्तिवाचक संज्ञा के उदाहरण बताओ।

जातिवाचक संज्ञा

व्याख्या विधि

वह संज्ञा शब्द जिससे किसी एक वस्तु, व्यक्ति अथवा स्थान का नाम का बोध हो उसे व्यक्ति-वाचक।

जातिवाचक :- किसी संज्ञा से किसी जाति के सम्पूर्ण पदार्थों, स्थलों, प्राणियों आदि का बोध होता है उसे जातिवाचक संज्ञा कहते हैं।

संबंधित प्रश्न

व्याख्या विधि

① जातिवाचक संज्ञा के उदाहरण बताओ।

शि. विधि

द्वा. आ. क्रियाएं

भाववाचक संज्ञा :- गुण दोष  
स्वभाव, दशा

व्याख्या  
विधि

आदि का बोध होता है  
उसे भाववाचक संज्ञा कहते  
हैं।

व्याख्या  
विधि

① भाववाचक संज्ञा का उदाहरण  
बताओ।

व्याख्या  
विधि

सर्वनाम :- संज्ञा के स्थान पर  
प्रयुक्त होने वाले शब्दों को  
सर्वनाम कहते हैं।  
जैसे - तुम, मैं, हम, आप आदि।

प्रदर्शन  
विधि

सर्वनाम मुख्यतः छः प्रकार के  
होते हैं -

- (क) पुरुषवाचक :- तु, मैं, वह
- (ख) निश्चयवाचक :- थोडा, बहुत
- (ग) अनिश्चयवाचक :- कोई, कुछ
- (घ) संबन्धवाचक :- जैसा, वैसा
- (ङ) प्रश्नवाचक :- क्या, कौन
- (च) निजवाचक :- आप, स्वयं



# मूल्यांकन

- ① सैफा किसे कहते हैं? उदाहरण सहित बताओ।
- ② जो शब्द सैफा के स्थान पर प्रयुक्त होते हैं उन्हें क्या कहते हैं?
- ③ "राम बाजार" गया में सैफा काँटिल।

# गृहकार्य

- ① सैफा, सर्वनाम की परिभाषा बताओ।
- ② सैफा व सर्वनाम के उदाहरण लिखो।
- ③ सैफा के कितने भेद होते हैं? नाम बताओ।
- ④ सर्वनाम के कितने भेद होते हैं? नाम लिखिए।



Date 18/2/15

Duration of the period 35 मिनट

Pupil Teacher's Name सरोज लकवाड़

Pupil Teacher's Roll No. 1425

Class आठवीं

Average Age of the pupils 13+

Subject हिन्दी शिक्षण

Topic मुहावरे और लोकोक्तियाँ

# अनुदेशनात्मक उद्देश्य

I

:- विद्यार्थी मुहावरे व लोकोक्तियों से परिचित हो पाएंगे।

② विद्यार्थी मुहावरों की जान पाएंगे।

II

:- विद्यार्थी मुहावरों का प्रयोग दैनिक जीवन में कर पाएंगे।

② विद्यार्थी मुहावरों व लोकोक्तियों के अन्तर को जान पाएंगे।

III

:- ① विद्यार्थी मुहावरों के अर्थ समझ पाएंगे।

② विद्यार्थी मुहावरों व लोकोक्तियों में अन्तर कर पाएंगे।

IV

:- ① विद्यार्थी दैनिक जीवन में लोकोक्तियों व मुहावरों का प्रयोग

कुशलतापूर्वक कर पाएंगे।



सामान्य सहायक सामग्री →

विषय

सहायक सामग्री :-

मुहावरे व लोकोक्तियों का  
चाट्टा

# पूर्वज्ञान परीक्षा

प्रस्तावित प्रश्न	संभावित उत्तर
① बच्चों क्या आपने कभी मुहावरे सुने हैं?	हाँ!
② क्या आपने कभी मुहावरों का प्रयोग किया है?	हाँ
③ कोई एक मुहावरे को सुनाओ।	“पेट काटना”, अन्यो की लालच आदि।
④ मुँह में पानी आने का क्या अर्थ है?	लालच करना
⑤ मुहावरे व लोकोक्तियों में क्या फर्क है?	समस्यात्मक प्रश्न

उद्देश्य कथन :-

आओ बच्चों! आओ आज हम मुहावरों व लोकोक्तियों के विषय में जानेंगे।



# प्रस्तुतीकरण

क्र. सं.	शि. विधि	दात्राद्यापिका क्रियाएँ
1	व्याख्या विधि	जब वाक्य में किसी शब्द का या शब्द समूह का सामान्य अर्थ नहीं लिया जाता, बल्कि उसी से मिलता-जुलता अर्थ लिया जाता है और यह अर्थ उसे कद बना जाता है। तब हम उसे मुहावरा कहते हैं।
2	प्रदर्शन व व्याख्या विधि	मुहावरा वाक्य का अंग बनकर प्रयुक्त होता है, स्वतन्त्र रूप से नहीं जैसे :- "पेट काटना" तो इससे कोई सीधा अर्थ प्रकट नहीं है। इसके स्थान पर कोई कहे कि मैंने पेट काटकर अपने लड़के को पढ़ाया" तो वाक्य का अर्थ में स्पष्टता आ जाती है।



शिक्षण बिंदु	शि. विधि	दा० अध्यापिका क्रियाएँ	दा० क्रियाएँ	चॉक बोर्ड
--------------	----------	------------------------	--------------	-----------

उदाहरण :-

प्रदर्शन  
विधि

[आँख दिखाना] अर्थात्  
कौच प्रकट करना -  
मैंने तो कुछ व्यय भी  
नहीं और तमू मुझे  
आँख दिखा रहे हैं।

प्रश्न

प्रश्न-उत्तर  
विधि

① 'आँख दिखाने' का  
अभिप्राय क्या है?

उत्तर -  
आँख दिखाने  
का  
अभिप्राय

प्रश्न

प्रश्न-  
उत्तर  
विधि

② 'आँख दिखाने' की  
वाक्य में प्रयोग करिए।

कौच  
प्रकट  
करना।

उदाहरण

③ 'अक्ल का दुश्मन'  
'बिल्कुल मूर्ख' - गोपी  
समझाने पर अपने भले  
की बातें भी नहीं समझता  
है। आखिर अक्ल का  
दुश्मन जो ठहरा।

उत्तर -  
① मैंने  
सिर्फ राम  
से परीक्षा  
के विषय  
में पूछा

④ 'अगर-मगर करना' - तुमने  
उच्चार के कपूर आज लौटने  
का वादा किया था, परंतु  
अब तुम अगर-मगर करने  
लगे हो।

और वह  
आँख  
दिखाने  
लगा।

## शि. विधि

## दा. अध्यापिका क्रियाएँ

अर्थ

लौकीकित :- सामाजिक जीवन में अनुभव के आधार पर प्रचलित उक्ति को लौकीकित कहा जाता है। लौकीकितयाँ प्रायः पूर्ण वाक्य में होती हैं - जैसे -

“अकेला चना भाड़ नहीं फोड़ सकता”

प्रश्न-उत्तर

विधि :-

“अकेला चना भाड़ नहीं फोड़ सकता” :- अकेला व्यक्ति किसी बड़े कार्य को करने में समर्थ नहीं होता है।

मुहावरे

लौकीकितयाँ

कारण/विधि

① मुहावरे स्वतंत्र नहीं होते

① लौकीकितयाँ स्वतंत्र होती हैं।

② मुहावरा आकार में होता होता है।

② लौकीकितयाँ आकार में बड़ी होती हैं।

प्रश्न-उत्तर  
विधि

① मुहावरे व लौकीकितयाँ में अन्तर बताओ।



# मूल्यांकन

- ① लोक्तियों व मुहावरों में अन्तर स्पष्ट करो।
- ② दस मुहावरों का वाक्य में प्रयोग करके बताओ।
- ③ 'अन्ल का दुश्मन' से क्या अभिप्राय है?

# गृहकार्य

- 10 लोक्तियों व 10 मुहावरों का अर्थ सहित वाक्य में प्रयोग करो।

Ashtak

Date..... 19/2/15.....

Duration of the period..... 35 मिनट.....

Pupil Teacher's Name श्रीजलकवास

Pupil Teacher's Roll No. 1425

Class..... आठवीं.....

Average Age of the pupils..... 13<sup>+</sup>.....

Subject..... हिन्दी शिक्षण.....

Topic..... अवधपुरी में राम

# अनुदेशानात्मक उद्देश्य

I

:- ① विद्यार्थी कहानियों के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।

② विद्यार्थी कहानियाँ द्वारा मनुष्य के जीवन में होने वाले खानात्मक परिवर्तन का सामान्य जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।

II

:- ① विद्यार्थी महापुरुष की कहानी तथा समाज में उनके योगदान के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।

III

① विद्यार्थी किसी महापुरुष के द्वारा दी गई अच्छाईयाँ अपने जीवन में प्रयोग कर सकेंगे।

IV

① विद्यार्थी महापुरुषों के जीवन की विभिन्न घटनाओं का मूल्यांकन कर सकेंगे।



1 सामान्य सहायक ~~सामग्री~~ सामग्री

विशेष

साहायक सामग्री

:- तुलसीदास की रचना का  
चाही

# पूर्वज्ञान परीक्षण

प्रस्तावित प्रश्न	संभावित उत्तर
1) क्या आपने भगवान राम का नाम सुना है?	हाँ।
2) भगवान राम कहाँ रहते थे?	अयोध्या में।
3) भगवान राम के कितने भाई थे?	चार।
4) भगवान राम की पत्नी का क्या नाम है?	सीता।
5) वनवास में भगवान राम कितने वर्ष के लिए गए?	14 वर्ष के लिए।
6) रघुकुल के उत्तराधिकारी कौन थे?	संभावित उत्तर

उद्देश्य कथन :-

आओ! बच्चों आज हम इससे संबंधित कविता सुनेंगे। राम नामक अवधपुरी में नासक कविता पढ़ेंगे।



# प्रस्तुतीकरण

शुद्ध शि. विधि छात्रा अध्यापिका क्रियासूँ

व्याख्या  
विधि

यह कथा अवध की है।  
अवध में स्वयं नदी है  
किनारे एक अति सुन्दर  
नगर था, जिसका नाम  
अयोध्या था। सदा अर्थात्  
में एक दर्शनीय भव्यता  
जैसे विशाल सौंदर्यता का  
प्रतीक आलीशान इमारतें  
थीं। सुन्दर बाग-बगीचे  
तालाब पानी से लबालब  
भरे सरोवर एवं लहराती  
हरियाली थीं।

व्याख्या  
विधि

राजा दशरथ एक यक्षस्त्री  
राजा थे। उन्हें किसी प्रकार  
की कोई समस्या नहीं थी,  
लेकिन उनका एक हीला  
सा दुखा उनका सन्तान न  
होने का था।



# पाठकी

प्रश्न	श्री० विधि	क्षेत्र अध्यापिका क्रियाएँ
प्रश्न	व्याख्या विधि	उन्होंने राजा दशरथ को यज्ञ करने की सलाह दी। शुक वशिष्ठ ने महाराजा से कहा कि पुत्रवृष्टि यज्ञ करें। आपकी इच्छा अवश्य पूरी होगी।
प्रश्न	व्याख्या विधि	यह यज्ञ महान तपस्वी ऋष्यशृंगा की देख-रेख में हुआ। पूरा नगर उसकी तैयारी में लगाया
प्रश्न	व्याख्या विधि	कौशल्या ने राम, सुमित्रा ने ही पुत्र, लक्ष्मण और शत्रुघ्न और रानी कौशल्या के पुत्र का नाम भरत रखा गया। चारों राजकुमार धीरे-2 बड़े हुए। वे बहुत सुन्दर थे। सब शुकजनों से
प्रश्न	—	① राजा दशरथ के चार पुत्रों के नाम क्या थे?



# मूल्यांकन

① अयोध्या नगरी के बारे में बताइए।

② राजा दशरथ कौन थे?

③ महायज्ञ किस लिए किया गया था?

④ बच्चों को शिक्षा किसने दी।

# गृहकार्य

① सभी बच्चे "राम कथा" लिखकर लायेंगे।

② लक्ष्मण की माता कौन थी?

③ विश्वामित्र कौन थे।

Ashe/2024

Date ..... 21/2/15 .....

Duration of the period ..... 35 मिनट .....

Pupil Teacher's Name ..... सरोज लकवाड़ .....

Pupil Teacher's Roll No. .... 1425 .....

Class ..... सातवीं .....

Average Age of the pupils ..... 12 .....

Subject ..... हिन्दी शिक्षण .....

Topic ..... विशेषण .....

# अनुदेशानात्मक उद्देश्य

① विद्यार्थी किसी व्यक्ति, वस्तु अथवा स्थान की विशेषता समझने की सामान्य जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।

② विद्यार्थी विशिष्ट शब्द की समझने और अपने विचार प्रकट करने में सक्षम होंगे।

→ ① विद्यार्थी किसी व्यक्ति, वस्तु अथवा स्थान के गुण समझने के योग्य होंगे।

② विशेषण के उदाहरण

① विशेषण शब्दों को अपने जीवन में उपयोग कर पाएंगे।

② विद्यार्थी वस्तुओं के गुण-दोष समझने में कुशल होंगे।



① सामान्य सहायक सामग्री

विषय :- सहायक सामग्री :- विशेषण संबंधी चार्ट।

# पूर्वज्ञान परीक्षण

प्रस्तावित प्रश्न	संभावित उत्तर
(पैड़ का फर्लेश कार्ड दिखाते हुए) ① यह क्या है?	पैड़
② यह पेड़ कैसा है?	बड़ा।
③ इस पेड़ का रंग कैसा है?	हरा
④ यह पेड़ दिखने में कैसा लग रहा है?	हरा भरा व सुन्दर।
⑤ क्या आप जानते हैं जिन शब्दों से पेड़ के विषय में पता लग रहा है वे क्या कहते जाते हैं?	समस्यात्मक प्रश्न

उद्देश्य कथन :-

आओ! बच्चों - आज हम विशेषण के बारे में पढ़ेंगे व चर्चा करेंगे।

# प्रस्तुतीकरण

श्री० विधि

ज्ञान अध्यापिका क्रियाएँ

प्रदर्शन  
व  
व्याख्या  
विधि

“ वह शब्द जो संज्ञा और सर्वनाम शब्द की विशेषता बतलाता है, उसे विशेषण कहते हैं।

उदाहरण :- मीठा, पतला  
मिठा, खट्टा  
आदि।

प्रश्न-उत्तर  
विधि

विशेषण किसे कहते हैं?

प्रदर्शन  
विधि

विशेषण के चार भेद होते हैं :-

(क) गुणवाचक

(ख) परिमाणावाचक



शिक्षण बिंदु

शि० विधि

हा० अध्यापिका क्रियाएँ

(ग) संख्यावाचक

(घ) सार्वनामिक  
विशेषण

गुणवाचक  
विशेषण

संख्या  
विधि

गुणवाचक विशेषण  
तह शब्द जो संज्ञा  
व सर्वनाम शब्द  
के गुण दोष  
काल स्वभाव आदि  
स्पष्ट करें।

गुणवाचक विशेषण  
कहलाता है।

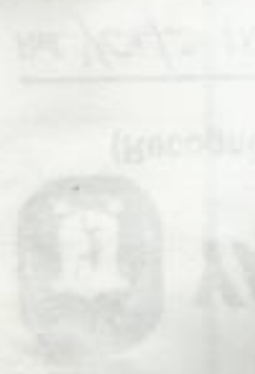
उदाहरण

प्रश्न-उत्तर  
विधि

गुणवाचक विशेषण  
किसी कहा  
जाता है?

शु	शि० विधि	का० अध्यापिका क्रियाएँ
परिणाम वाचक विशेषण	व्याख्या विधि	वह संज्ञा या सर्वनाम शब्द की माप-तौल की विशेषता बताता है। परिमाणवाचक विशेषण है।
परिणाम वाचक के भेद	प्रदर्शन विधि	परिणाम वाचक दो प्रकार के विशेषण होते हैं (क) निश्चित परिणामवाचक (ख) अनिश्चित वाचक
प्रश्न -		परिणाम वाचक के कितने भेद हैं?
संख्या वाचक विशेषण	व्याख्या विधि	वह विशेषण शब्द जिससे संख्या का बोध हो उसे संख्यावाचक विशेषण कहते हैं। उदाहरण :- एक, चार, 6
सर्वनामिक विशेषण	व्याख्या विधि	वह संज्ञा व सर्वनाम शब्द जो उसकी विशेषता प्रकट करता है सर्वनामिक विशेषण कहलाता है। उदाहरण :- यह लड़का व लड़की आदि।

17





# मूल्यांकन

- ① विशेषण किसे कहते हैं?
- ② विशेषण के कितने भेद हैं?
- ③ युगवाचक विशेषण क्या हैं?
- ④ परिमाणवाचक विशेषण का क्या अर्थ है?

# उदाहरण

- ① उदाहरण सहित विशेषण के प्रकार लिखो।
- ② विशेषण की परिभाषा लिखिए।

Ashok

Date 23/2/15

Duration of the period 35 मिनट

Pupil Teacher's Name सरोजलकवाड़

Pupil Teacher's Roll No. 1425

Class सातवीं

Average Age of the pupils 12

Subject हिन्दी शिक्षण

Topic काल व उसके भेद

# अनुदेशनात्मक उद्देश्य

I

:- विद्यार्थी अपने आने वाले समय, बीते समय और वर्तमान काल की सामान्य जानकारी जान पाएंगे।

② काल के शब्दों की पहचान पाएंगे।

II

:- ① समय तथा काल के भेद की समझने के योग्य हो पाएंगे।

② काल के उदाहरण देने में सक्षम हो पाएंगे।

III

:- ① दैनिक जीवन में काल के शब्दों का उपयोग समझ कर प्रयोग कर पाएंगे।

② उचित शब्दों का उपयोग कर पाएंगे।

IV

:- ① विद्यार्थी भाषा की विभिन्न स्थितियों की कुशलता से प्रयोग कर पाएंगे।



सामान्य सहायक सामग्री

विशेष

सहायक सामग्री

काल संबंधी चार्ट।

# पूर्वज्ञान परीक्षण

क्र० संख्या	प्रस्तावित प्रश्न	संभावित उत्तर
①	द्विभाष्यापिका दैनिक जीवन से संबंधित उदाहरण तथा प्रश्न करेंगी।	
②	क्या आप कल स्कूल में आरुवे?	हाँ/ नहीं
③	कल कौन सा दिन था?	(संभावित उत्तर) सोमवार
④	आज कौन सा दिन है?	मंगलवार
⑤	कल कौन सा दिन होगा	बुधवार
⑥	क्या आप जानते हैं कि समय को व्याकरण में क्या कहते हैं?	समस्यात्मक प्रश्न

उद्देश्य कथन:-

आओ बच्चों! आज हम समय के अर्थ व उनके प्रयोग के विषय में पढ़ेंगे।



# प्रस्तुतीकरण

बिंदु	शि० विधि	द्वारा अध्यापिका क्रियाएँ	द्वारा क्रियाएँ	चॉकबोर्ड कार्य
काल	प्रदर्शन व व्याख्या विधि	जिन वाक्यों से क्रिया के वर्तमान में चले रहने, बीत जाने, आने वाले समय का बोध हो उसे काल कहा जाता है।		
बैधित प्रश्न	प्रश्न- उत्तर विधि	① काल किसे कहते हैं?	उत्तर- जिससे कार्य के होने वाले समय का पता लगे।	
काल के भेद	प्रदर्शन व व्याख्या विधि	काल के मुख्यतः तीन प्रकार हैं :— (क) भूतकाल (ख) वर्तमान काल (ग) भविष्य काल		
बैधित प्रश्न	प्रश्न- उत्तर विधि	① काल के कितने भेद हैं?	उत्तर- काल के तीन भेद हैं।	



शि० बिन्दु	शि० विधि	दा० अध्यापिका क्रियाएँ
भूतकाल	व्याख्या विधि	जिससे बीते हुए समय का बोध्य होता है उसे भूतकाल कहते हैं।
	उदाहरण-	<ol style="list-style-type: none"> <li>① मैंने कल पत्र लिखा था।</li> <li>② राम बीमार था।</li> </ol>
संबंधित प्रश्न	प्रश्न - उत्तर विधि	① भूतकाल के उदाहरण लिखो।
वर्तमान काल	प्रदर्शन व व्याख्या विधि	वर्तमान काल :- जिससे वर्तमान में चल रहे समय का बोध्य होता है उसे वर्तमान काल कहते हैं।

उदाहरण

① मैं किताब पढ़ रहा हूँ।

② अयाम खेल रहा हूँ।

प्रश्न      उत्तर विधि

① वर्तमान काल के उदाहरण दीजिए।

प्रदर्शन

व

व्याख्या

विधि

जिससे किसी कार्य के भविष्य में होने या किए जाने का बोध हो, भविष्य काल कहा जाता है। इसमें आने वाले समय पर काम होता है।

उदाहरण ① हम कल दिल्ली जाएंगे।

② हमारी दीदी कल आएंगी।

प्रश्न-      उत्तर विधि

भविष्य काल के उदाहरण दीजिए।



# मूल्यांकन

- ① काल का क्या अर्थ होता है?
- ② काल के कितने भेद होते हैं?
- ③ भूतकाल क्या होता है? उदाहरण दीजिए।
- ④ भविष्य काल के उदाहरण लिखिए।

# गृहकार्य

- ① खर्चों काल की परिभाषा व भेदों सहित चार्ट बनाओ।

AshuRKK

Date 24/2/15

Duration of the period 30-35 min

Pupil Teacher's Name सरोज लकवाड़

Pupil Teacher's Roll No. 1425

Class सातवीं

Average Age of the pupils

Subject हिन्दी शिक्षण

Topic कारक

# अनुदेशानात्मक उद्देश्य

I

:- ① विद्यार्थी व्याकरण से संबंधित सामान्य जानकारी प्राप्त करने योग्य ही पारंगत।

② कारकों का पहचान कर पारंगत।

II

:- ① कारकों के उदाहरण दें पारंगत।

② कारक शब्दों के चिह्नों में भेद कर पारंगत।

III

:- ① विद्यार्थी कारकों का प्रयोग दैनिक बोल चाल में कर पारंगत।

② भाषा की शुद्धता के साथ प्रयोग कर पारंगत।

IV

:- ① विद्यार्थी कारकों के चिह्नों सहित शुद्ध

वर्तनी लिख पारंगत।



सहायक सामग्री :- 3

कारकों के चिह्न का चार्ट।

# पूर्वज्ञान परीक्षण

प्रस्तावित प्रश्न	संभावित उत्तर
दिए गए आठ बच्चों से पूछेंगे।	
① बच्चों रावण को किसने मारा था?	राम ने
② रावण ने सीता को कहाँ रखा हुआ था?	अशोक वाटिका में
③ और हनुमान जी किसके ऊपर बैठे थे?	पैड़ पर
④ बच्चों क्या आप जानते हैं, जो चिह्न वाक्यों के मध्य आएँ जैसे, को, मैं, पर इन्हें क्या कहते हैं?	समस्यात्मक प्रश्न

उद्देश्य कथन :-

आओ बच्चों आज हम इन्हीं शब्दों के विषय में पढ़ेंगे।



# प्रस्तुतीकरण

विंदु	शि० विधि	द्वारा अध्यापिका क्रियाएँ	द्वारा क्रियाएँ	चॉक बोर्ड कार्य
कारक	व्याख्या विधि	किसी कार्य को करने वाला संज्ञा या सर्वनाम पदों का उस वाक्य में क्रिया अथवा अन्य पदों के साथ जो सम्बन्ध होता है उसे कारक कहते हैं।		
बंध्यित प्रश्न	प्रश्न - उत्तर विधि	① कारक किसे कहते हैं?	उत्तर - किसी वाक्य में संज्ञा या सर्वनाम पदों का उस वाक्य की क्रिया व अन्य शब्दों से जोड़ने वाले शब्दों को कारक कहते हैं।	
परसर्ग	व्याख्या व प्रदर्शनी विधि	<u>परसर्ग</u> :- वाक्य में संज्ञा का क्रिया अथवा अन्य शब्दों से सम्बन्ध बताने के लिए ने, को, से आदि चिह्नों का प्रयोग किया जाता है। इन चिह्नों को कारक चिह्न या परसर्ग कहा जाता है।		



शिक्षण बिंदु	शिक्षण विधि	का० अध्यापिका क्रियारण
कारक के भेद	व्याख्या विधि	कारक के प्रकार - कारकों को आठ भागों में बाँटा गया है।  <ol style="list-style-type: none"> <li>1. कर्ता कारक</li> <li>2. कर्म कारक</li> <li>3. करण कारक</li> <li>4. सम्प्रदान कारक</li> <li>5. आपादान कारक</li> <li>6. सम्बन्ध कारक</li> <li>7. अधिकरण कारक</li> <li>8. संबोधन कारक</li> </ol>
संबंधित प्रश्न	प्रश्न-उत्तर विधि	① कारक के कितने भेद हैं?
कर्ता कारक	व्याख्या विधि	“ क्रिया करने वाला का बौद्ध है ” उदाहरण - <u>राम ने खाना खाया</u>
कर्म कारक		“ कर्ता के व्यापार का फल ” जैसे - मोहन पत्र लिखता है।

वि० वि० वि० छात्र अध्यापिका क्रियाएँ

कारक  
विधि  
व्याख्या  
"क्रिया के साधन का बौध होता है।"  
जैसे - राम कलम से लिखता है।

सम्प्रदान  
विधि  
व्याख्या  
"क्रिया के साधन का बौध होता है।" क्रिया किस के लिए की जाती है इसका बौध होता है।  
जैसे → राजा भिखारी को दान देता है।

आपादान  
विधि  
व्याख्या  
अलग होने का बौध कराता है।  
जैसे - पत्ते पेड़ से गिरते हैं।

संबन्ध  
विधि  
व्याख्या  
संबन्ध का बौध होता है।  
जैसे - राम का भाई है।

अधिकरण  
विधि  
प्रदर्शन  
रूपया दाय में है।

सम्बोधन  
हे प्रभु! यह क्या है?

कारक	परसर्ग
① कर्त्ता	ने
② कर्म	को
③ करण	से, के द्वारा
④ सम्प्रदान	को, के लिए
⑤ आपादान	से (अलग)
⑥ संबन्ध	का, की, के
⑦ अधिकरण	में, पर
⑧ सम्बोधन	हे, अरे, अरी



# मूल्यांकन

- ① कारक किसे कहते हैं?
- ② कारक के कितने भेद होते हैं?
- ③ कर्ता और कर्म कारक में क्या भेद है?
- ④ सम्प्रदान कारक किसे कहते हैं?

# गृहकार्य

कारक की परिभाषा व भेद सहित चार्ट बनाओ।

Ashokk

Date..... 25/2/15.....

Duration of the period..... 30-35 mint.....

Pupil Teacher's Name सरोज लकवाड़

Pupil Teacher's Roll No. 1425

Class..... छठी.....

Average Age of the pupils..... 12.....

Subject..... हिन्दी शिक्षण.....

Topic..... क्रिया

# अनुदेशनात्मक उद्देश्य

उद्देश्य- ① विद्यार्थी क्रिया की परिभाषा लिख पाएंगे।

② विद्यार्थी क्रिया शब्द से परिचित होंगे।

③ विद्यार्थी क्रिया शब्द की पहचान कर पाएंगे।

- ① विद्यार्थी क्रिया के सामान्यतः उदाहरण दे पाएंगे।

② क्रिया के भेदों में अन्तर कर पाएंगे।

उद्देश्य- ① दैनिक जीवन में क्रिया का उपयोग जान पाएंगे।

② क्रिया शब्द की शुद्धता का ज्ञान कर प्रयोग कर पाएंगे।

क्रिया का मूल्यांकन कर पाएंगे।



सहायक सामग्री :- क्रिया शब्दों का चार्ट।

# पूर्वज्ञान परीक्षा

प्रस्तावित प्रश्न	संभावित उत्तर
① बच्चों आपने सुबह उठ कर क्या-2 किया ?	ब्रुश किया, मुँह हाथ धोए, नहाये, नाश्ता किया, तैयार होकर स्कूल आए।
② स्कूल में क्या-2 किया ?	प्रार्थना की, दोस्ती से बात की, कक्षा कार्य किया।
③ अध्यापिका जी ने क्या काम किया ?	पढ़ाया।
④ क्या आप जानते हैं इन सभी कामों की व्याकरण में क्या कहते हैं ?	समस्यात्मक प्रश्न।

उद्देश्य कथन :- आओ बच्चों क्रिया के विषय में जानेगें।

# प्रस्तुतीकरण

विधि	शि० बिंदु	द्वारा दयापिका क्रियाएँ
किया	प्रदर्शन व व्याख्या विधि	जिन शब्दों से किसी कार्य के करने या होने का पता चलता है, उन्हें क्रिया कहते हैं।
बंधित प्रश्न	प्रश्न- उत्तर विधि	① क्रिया किसे कहते हैं?
किया के अर्थ	व्याख्या विधि	क्रिया के दो भेद होते हैं:- क) अकर्मक क्रिया। ख) सकर्मक क्रिया।
बंधित प्रश्न	—	① क्रिया कितने प्रकार की होती हैं?



शिक्षण बिंदु	शि. विधि	ज्ञान अध्यापिका क्रियाएँ
--------------	----------	--------------------------

अकर्मक क्रिया	व्याख्या विधि	<p><u>अकर्मक</u> :- जिन क्रियाओं का फल कर्म पर ना पड़ता है, उसे अकर्मक क्रिया कहते हैं।</p> <p>जैसे :- ① सुषमा रीती है।          ② अदिति हँसती है।          ③ सीता सौती है।</p>
---------------	---------------	---

<u>संबंधित प्रश्न</u>	व्याख्या विधि	<p><u>सकर्मक क्रिया</u> :- जिन क्रियाओं का फल कर्म पर पड़े - उन्हें सकर्मक क्रिया कहते हैं।</p>
-----------------------	---------------	---

प्रश्न -	प्रश्न-उत्तर विधि	① अकर्मक क्रिया किसे कहते हैं ?
----------	-------------------	---------------------------------

• विन्दु	शि. विधि	ज्ञान अध्यापिका क्रियासूँ
----------	----------	---------------------------

सकर्मक क्रिया	उदाहरण-	<p>जैसे- प्रेम खाना खा रहा है या राम कहानी पढ़ रहा है।</p> <p>→ इस वाक्य की क्रिया का फल कर्ता 'राम' पर न पड़कर कर्म 'कहानी' पर पड़ रहा है। इसलिए इसे सकर्मक क्रिया कहा जाएगा।</p>
---------------	---------	--

संबंधित प्रश्न	प्रश्न-उत्तर विधि	क्यों? क्या सकर्मक क्रिया में कर्म होता है?
----------------	-------------------	---

सकर्मक क्रिया के भेद	प्रदर्शन विधि	सकर्मक क्रिया के दो भेद हैं- ① एककर्मक क्रिया ② द्विकर्मक क्रिया
----------------------	---------------	---

एककर्मक क्रिया	व्याख्या विधि	जैसे- रीता संस्कृत पढ़ती है।
----------------	---------------	------------------------------

द्विकर्मक क्रिया	व्याख्या विधि	जैसे- अजय ने कलशा से किताब खरीदी।
------------------	---------------	-----------------------------------



# मूल्यांकन

- ① क्रिया कैसे कहते हैं?
- ② क्रिया के कितने भेद होते हैं?
- ③ अकर्मक व सकर्मक क्रिया में क्या अन्तर है?
- ④ सकर्मक क्रिया के कितने भेद होते हैं? नाम बताओ।

# बहकाम

- ① क्रिया की परिभाषा लिखिए।
- ② क्रिया के भेदों के नाम लिखिए तथा परिभाषा लिखिए।
- ③ अकर्मक व सकर्मक क्रिया के दस-दस भेद लिखिए।

Date..... 26/2/15 .....

Duration of the period..... 35 min .....

Pupil Teacher's Name सरोज लकवाड़ .....

Pupil Teacher's Roll No. 1425 .....

Class आठवीं .....

Average Age of the pupils..... 13+ .....

Subject हिन्दी शिक्षण .....

Topic शुल्क माँफ़ी के लिए प्रार्थना पत्र

# अनुदेशनात्मक उद्देश्य

I

3-1 विद्यार्थी पत्र का अभिप्राय समझ पाएँगे।

2 पत्र लिखने से परिचित होंगे।

II

1 विद्यार्थी पत्र लिखने में अपनी कुशलता बढ़ा पाएँगे।

2 विद्यार्थी अपने स्तर से शब्दों की प्रयोग करने की सामान्य जानकारी प्राप्त करेंगे।

III

3-1 विद्यार्थी पत्रों का प्रयोग अपने दैनिक जीवन में कर सकेंगे।

2 विद्यार्थी पत्र लेखन में योग्य हो पाएँगे।

IV

3-1 विद्यार्थी पत्र लेखन में कुशल हो पाएँगे।

2 विद्यार्थी पत्रों का संश्लेषण करने में कुशल होंगे।



सामान्य सहायक सामग्री

विद्यार्थी

**सहायक सामग्री :-**

पत्र लिखा हुआ पार्टी

# पूर्वज्ञान परीक्षा

प्रस्तावित प्रश्न	संभावित उत्तर
① कौन बच्चा आपने कभी किसी व्यक्ति को पत्र लिखा है?	हाँ।
② कैसे लिखा था?	मित्र, रिश्तेदार आदि।
③ क्या कभी पिछालय में भी पत्र लिखना पड़ा है?	हाँ, छुट्टी के लिए पत्र लिखा है।
④ क्या आपने कोस मार्फत के लिए पत्र लिखा है?	समस्यात्मक प्रश्न।

**उद्देश्य कथन**

आओ बच्चों आज हम कोस मार्फत के लिए पत्र लिखना सिखेंगे।

# प्रस्तुतीकरण

विद्यु	शिक्षण विधि	छात्राध्यापिका क्रियाएँ
शुल्क माँफ़ी के लिए निवेदन	प्रदर्शन व व्याख्या विधि	<p>सेवा में,                      श्रीमान प्रधानाचार्य जी,                      सर्वोदय राजकीय त्रिष्ठ                      माध्यमिक विद्यालय                      कडकी (रोहतक)                      हरियाणा</p> <p>यह पत्र का प्रारम्भिक भाग है इसमें हम जिस अधिकारी को पत्र लिखते हैं।</p>
मध्य भाग	प्रदर्शन व व्याख्या विधि	<p>विषय:- " फीस माँफ़ी के लिए प्रार्थना पत्र"</p> <p>महोदय,                      सविनय नम्र निवेदन है कि मैं राम S/o दीनू तिवारी आपके विद्यालय का कक्षा आठ में पढ़ता हूँ।</p>



शिक्षण बिंदु	शिक्षण विधि	ज्ञान अध्यापिका क्रियाएँ
	व्याख्या विधि	मेरे पिताजी अत्यन्त गरीब हैं और हमारी आर्थिक स्थिति बहुत खराब है। उनका मासिक आय एक हजार रुपया मात्र है।
संबन्धित प्रश्न	प्रश्न - उत्तर विधि	प्रार्थना का विषय मैं क्या लिखा जाता है?
मुख्य समस्याएँ	प्रदर्शन व व्याख्या विधि	मेरे पिता जी अत्यन्त गरीब हैं, उनका मासिक आय एक हजार रुपया मात्र है;

वि. नं.	शिक्षण विधि	छात्रा अध्यापिका क्रियाएँ	क.
---------	-------------	---------------------------	----

मध्य भाग

व्याख्या विधि

जो एक चाय की दुकान चलाते हैं, जिसमें सबसे बड़ा में है और मुझ से छोट भाई बहन हैं। पिता की उम्र लगभग 45 वर्ष है। युवा है, जो मजदूरी भी नहीं कर सकते हैं। मैं पढ़ाई में रुचि रखता हूँ।

समापन

अंत: महोदय पुनः आपसे आग्रह है कि मेरी गम्भीर समस्या को देखते हुए मेरी विद्यालय फिस माफ की जाएँ। आपका अति कृपा होगी।

आखिरी भाग

व्याख्या विधि

धन्यवाद.  
आपका आज्ञाकारी शिष्य  
नाम - राम  
कक्षा - 8<sup>थ</sup> 'अ'  
रोल नं० - 21



# मूल्यांकन

- ① पत्र के आरम्भ में क्या लिखा जाता है?
- ② पत्र के मध्य भाग में क्या लिखा जाता है?
- ③ पत्र में अपनी मुख्य समस्या क्यों दर्शानी चाहिए?
- ④ पत्र के अन्त में अपना नाम, रोल नम्बर, व कक्षा क्यों लिखी जाती है?

# गृहकार्य

- ① बच्चों सभी अपने घर से एक पत्र लिखकर लायेंगे।
- ② पत्र की विशेषता लिखकर लायेंगे।

Ashtak

Date... 27/2/15

Duration of the period... 35 mint

Pupil Teacher's Name... सरोज लकवाड

Pupil Teacher's Roll No. 1425

Class... आठवीं

Average Age of the pupils... 13+

Subject... हिन्दी शिक्षण

Topic... व्याकरण - संधि

# अनुदेशानात्मक उद्देश्य

I

① विद्यार्थी दो या दो से अधिक शब्दों के परस्पर मेल के संबन्ध में जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।

II

① विद्यार्थी दो या दो से अधिक शब्दों के परस्पर मेल को समझ सकेंगे।

III

① विद्यार्थी विभिन्न प्रकार के दो या दो से अधिक शब्दों का प्रयोग कर पाएँगे।

IV

① विद्यार्थी शब्दों के मेल से उत्पन्न विकार को समझने में कुशल होंगे।



विशेष

**सहायक सामग्री :-**

संधि का अर्थ, व प्रकार लिखि हुई सारणी।

# पूर्वज्ञान परीक्षण

प्रस्तावित प्रश्न	संभावित उत्तर
<p>[हिा.आध्यापिका दैनिक जीवन में संबंधित उदाहरण तथा प्रश्न करेंगी]</p> <p>① क्या शब्दों का मेल होता है?</p>	हाँ
<p>② स्वर कितने होते हैं?</p>	॥
<p>③ व्यंजन कितने होते हैं?</p>	33
<p>④ देवनगर किन दो शब्दों से मिलकर बना है?</p>	देव + नगर
<p>⑤ स्वर और व्यंजनों का मिलना क्या कहलाता है?</p>	समस्यात्मक प्रश्न।

**उद्देश्य कथन :-**

आओ बच्चों! आज हम स्वर व व्यंजनों के विषय में जानेंगे।  
जोड़ के



# प्रस्तुतीकरण

क्र० क्रि० शि० विधि मात्र अद्यापिका क्रियासं द्वात्र क्रियासं

संधि व्याख्या व प्रदर्शन विधि  
 "संधि शब्द का शाब्दिक अर्थ है मेल या मिलाप दूसरे शब्दों में हम कह सकते हैं कि अब दी या दो से अधिक तर्ज परस्पर मिलते हैं, तो उनके रूप में विचार आ जाता है।  
 संधि कभी रूपान्तर की संधि कहते हैं।

संबंधित प्रश्न-उत्तर प्रश्न विधि संधि कहते हैं? उत्तर- दी या दो से छान्दस्वणियों के

\* संधि केवल स्वणियों के मध्य होता है शब्दों के मध्य नहीं।  
 स्वणियों का यह परिवर्तन पहली या दूसरी किसी भी स्वनि में या दोनों में हो सकता है।  
 मेल के से जो विकार विकार उत्पन्न हो उसे संधि कहते हैं।



शि० विधि  $\times$  शि० विन्दु  $\rightarrow$  मात्र अध्ययिका क्रियाएँ

संधि तीन प्रकार की होती है :-

संधि के भेद

प्रदक्षीन  
व  
व्याख्या  
विधि

क) स्वर संधि

ख) व्यंजन संधि

ग) विसर्ग संधि

स्वर संधि

व्याख्या  
विधि

दो स्वरो के मेल से जो निकल उत्पन्न होता है, उसे स्वर संधि कहते हैं।

उदाहरण

—

- ① हिम + आलय = हिमालय
- ② शील + ईश = शीलेश
- ③ महा + इंद्र = महेंद्र
- ④ वन + औषधि = वनौषधि

दीर्घ स्वर

व्याख्या

जब ह्रस्व और दीर्घ अ, इ, उ के पश्चात् क्रमशः ह्रस्व या दीर्घ आ, इ, उ आएँ तो उसे दीर्घ संधि कहते हैं।

नि. वि. शि. वि. द्वान् अद्यापिका क्रियाँ

उदाहरण	—	① अ + अ = आ ② अ + आ = आ ③ भोजन + आलय = भोजनालय
गुण संधि	व्याख्या विधि	अ अथवा आ के आगे इ, ई, उ, ऊ, ऋ के बाद ए या औ आरु ती गुण संधि कहलते हैं नर + इन्द्र = नरेन्द्र
वृद्धि संधि	व्याख्या विधि	अ तथा आ के बाद ए तथा ऐ आरु ती ऋ ही जात हैं। जैसे - सदा + एव = सदैव
अथादि संधि		ए, ऐ तथा औ, औ का एका का आव ही जात हैं। जैसे - पावक = पी + अक
यण संधि		इ तथा इ के साथ इ या य ही जात हैं। अति + आवश्यक = अत्यावश्यक व्यंजन के बाद स्वर अथवा व्यंजन आने से जो परिवर्तन आता है उसे व्यंजन संधि कहते हैं। जैसे - सम + ताप = सैताप
व्यंजन संधि		विसर्ग के बाद स्वर या व्यंजन आने से विसर्ग में जो विचार होता है उसे विसर्ग संधि कहते हैं। जैसे ३ - निः + मल = निर्मल



# मूल्यांकन

- ① संधि किसे कहते हैं?
- ② संधि कितने प्रकार की होती हैं?
- ③ स्वर संधि के कितने भेद होते हैं?
- ④ विसर्ग संधि किसे कहते हैं?

# गृहकार्य

- ① स्वर संधि के उदाहरण लिखो।
- ② व्यंजन संधि व विसर्ग संधि के उदाहरण लिखो।

Ashwani

Date 28/2/15

Duration of the period 35 मिनट

Pupil Teacher's Name सरोज लक्वाड़

Pupil Teacher's Roll No. 1425

Class आठवीं

Average Age of the pupils

Subject हिन्दी शिक्षण

Topic वर्तनी विकार

# अनुदेशनात्मक उद्देश्य

I

① विद्यार्थी वर्तनी के विकारों से परिचित हो पाएंगे।

② विद्यार्थी वर्तनी विकारों को पहचान पाएंगे।

II

① अशुद्ध वर्तनी को शुद्ध कर पाएंगे।

② विद्यार्थी ध्वनियों की सार्थकता और निरर्थकता संबंधी ज्ञान पाएंगे।

III

① विद्यार्थी भाषा की शुद्धता का प्रयोग अपने दैनिक जीवन में कर पाएंगे।

IV

① शुद्ध वर्तनी लिख पाएंगे।



विवेकीय

सहायक सामग्री:-

सामान्य अशुद्धियों के शुद्ध रूपान्तरण का चर्चा

# पूर्वज्ञान परीक्षा

प्रस्तावित प्रश्न	संभावित उत्तर
① "रर्वा" शब्द शुद्ध है या अशुद्ध?	अशुद्ध है - रर्व शुद्ध है।
② 'आति' शब्द का शुद्ध रूप बताओ	आती।
③ 'मुनी' शब्द को शुद्ध करके लिखो।	मुनि।
④ 'आचरन' शब्द शुद्ध है?	नहीं आचरण शुद्ध है।
⑤ जिन शब्दों का प्रयोग लिखने, बोलने संकेत देने के लिए किया जाता है, उन्हें क्या कहते हैं?	समस्यात्मक प्रश्न

## उद्देश्य कथन:-

बच्चों! आज हम भाषा के शुद्ध और अशुद्ध रूपों पर चर्चा करेंगे तथा वर्तनी के विषय में जानेंगे।



# प्रस्तुतीकरण

विंदु	श्री० विधि	छात्र अध्यापिका क्रियाएँ
वर्तनी	व्याख्या विधि	<p>वर्तनी का शाब्दिक अर्थ है, वर्तन अर्थात् अनुवर्तन करना यानी पीछे चलना। लिखने में प्रायः वर्तनी शब्द स्तर पर शब्द की ध्वनियों का अनुवर्तन करता है। वर्तनी का लिखने में बड़ा महत्व है। हम भी प्रायः लिखने में वर्तनी की अशुद्धियों से बचने का यही उपाय है कि हमें शब्द वर्तनी का ज्ञान है।</p>

माध्यम अशुद्धियाँ	अशुद्धि	शुद्धि
	मुनी	मुनि
	साधू	साधु
	धवी	धवि
	अती	अति
	रवी	रवि



शिक्षण विन्दु

शिक्षण विधि

ज्ञाता अध्यापिका क्रियाएँ

संबंधित  
प्रश्न

प्रश्न -  
उत्तर  
विधि

बच्चों! इस प्रकार के  
शुद्ध - अशुद्ध शब्द बताओ।

'त्त' की  
अशुद्धियाँ

प्रदर्शन  
व  
व्याख्या  
विधि

अशुद्ध

शुद्ध

① पवितृ

पवित्र

② पत्

पत्र

③ पतका

पत्रिका

④ मात्र

मात्र

⑤ विचित्र

विचित्र

संबंधित  
प्रश्न

प्रश्न -  
उत्तर  
विधि

निम्न शब्दों के के  
अशुद्ध व शुद्ध शब्दों  
अलग करो।

① यह पवितृ जल है।  
पवित्र

② मात्र 10 क० है।  
मात्र

० खिंडु

शि० विधि

का० अध्यापिका क्रियाएँ

ण' की शुद्धियाँ	प्रदर्शन व व्याख्या विधि	अशुद्धि	शुद्ध शब्द
		1. हरन	हरण
	2. आचरन	आचरण	
	3. मरन	मरण	
	4. क्षरन	क्षरण	

र' की अशुद्धियाँ	प्रदर्शन व व्याख्याविधि	अशुद्ध	शुद्ध
		1. करम	कर्म
	2. क्षरम	क्षर्म	
	3. परव	पर्व	
	4. क्षरम	क्षर्म	

का, ष स की अशुद्धि	प्रदर्शन व व्याख्या विधि	अशुद्ध	शुद्ध
		1. हर्ष	हर्ष
	2. शैश	शैष	
	3. दौश	दौष	
	4. कुषल	कुशल	



# मूल्यांकन

- ① 'वर्तनी' किसे कहते हैं?
- ② 'त्र' शब्द की चार अक्षरियाँ क्या हैं?
- ③ 'र' शब्द की चार अक्षरियाँ क्या हैं?
- ④ 'ह्री' शब्द शुद्ध है या अशुद्ध है?

# गृहकार्य

- ① वर्तनी की परिभाषा लिखिए।
- ② 'र' की दस अक्षरियों की लिखें।
- ③ श, ष, स की दस अक्षरियाँ लिखें।

Date..... 9/3/15 .....

Duration of the period..... 35 मिनट .....

Pupil Teacher's Name..... श्रीज लकवाड़ .....

Pupil Teacher's Roll No. .... 1425 .....

Class..... सातवीं .....

Average Age of the pupils..... .....

Subject..... हिन्दी शिक्षण .....

Topic..... वहाँ के दौरे .....

# अनुदेशानात्मक उद्देश्य

I

① विद्यार्थी दौरे के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त कर पाएँगे।

② विद्यार्थी भूक्तिपरक वाक्यों का अर्थ समझने की योग्यता रख पाएँगे।

II

① विद्यार्थी दौरे में प्रयुक्त कठिन शब्दों का अर्थ समझने की योग्यता प्राप्त कर पाएँगे।

② विद्यार्थी दौरे द्वारा काव्य की भाषा में रसात्मकता का अनुभव करने के योग्य हो पाएँगे।

III

① विद्यार्थी हिन्दी साहित्य की उपयोगिता के संवेद्य में दौरे द्वारा बताई गई जानकारी अपने

जीवन में प्रयोग कर सकेंगे।

IV

① विद्यार्थी भाषा के आँकार पर भिन्न-2 वाक्यों का मूल्यांकन कर सकेंगे।



सामान्य सहायक सामग्री

विक्री

सहायक सामग्री:-

\* रहीम के दौरे लिखा चाहे।

# पूर्वज्ञान परीक्षण

प्रस्तावित प्रश्न	संभावित उत्तर
[हा०अ० बच्चों से दैनिक जीवन से संबंधित प्रश्न करते हुए]	
① क्या आपने रहीम जी का नाम सुना है?	हाँ
② रहीम जी क्या लिखते थे?	दौरे
③ क्या आपको रहीम जी का कोई दौरा याद है?	समस्यात्मक प्रश्न

उद्देश्य कथन:-

आओ बच्चों आज "रहीम के दौरे" पाठ से दौरे पर चर्चा करेंगे।



# प्रस्तुतीकरण

खंड	शि. विधि	डा. अध्यापिका क्रियाएँ
काह रहीम सम्पत्ति संगे. बनत बहुत बहु रीत विपत्ति कसौटी ने कसे तेई सांचे मीत!	आदर्श ताचन व व्याख्या विधि	<p>डा. अध्यापिका बच्चों का पाठ्य पुस्तक में सही रहीम के दोहे की पढ कर सुनाएंगी एवं दोहे का सरलाय करेगी।</p> <p>रहीम दास कहते हैं कि व्यक्ति के पास यदि रुपया या किसी भी प्रकार की धन सम्पत्ति विद्यमान रहती है तो सभी अपने सगे संबंधियों जैसा व्यवहार करने लगते हैं।</p> <p>लेकिन सच्चा मित्र वही कहलाता है जो वास्तव में विपत्ति के समय साथ देता हो वही सच्चा और अखिलवान व्यक्ति होता है।</p>



शिक्षण बिन्दु

शिक्षण विधि

छात्र अध्यापिका क्रियाएँ

संबंधित  
प्रश्न

प्रश्न -  
उत्तर  
विधि

① रहीम जी ने सच्चा  
मित्र कैसे बताया  
है?

उत्तर -  
रहीम  
जी ने  
सच्चा मित्र  
उसे बताया  
है जो  
वास्तव में  
विपत्ति के  
समय साथ  
है।

तु न  
छाँड़ति  
होह

आदर्श  
वाचन  
व  
व्याख्यान

रहीम दास जी एक ऐसे  
मित्र का उदाहरण प्रस्तुत  
कर रहे हैं, जो किसी  
सार्थी के विपत्ति में  
अपना प्राण त्याग दे  
और उसका सार्थी  
परवाह किए बिना  
उसका साथ छोड़ने के  
लिए तैयार हो जाता है।  
इस लिए पुनः रहीम  
कहते हैं, कि मछली  
जब फूल में फँस  
जाता है तो पानी  
उसका साथ छोड़कर

क्र. विं.	शि. विधि	छात्र अध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ	चौक बौड कार्य
		<p>आगे बढ़ जाता है। अर्थात् ऐसा मित्र किस काम का जो विपत्ति में काम ही ना आ सका।</p>		
<p>संबंधित प्रश्न</p>	<p>प्रश्न- उत्तर विधि</p>	<p>वहीम जो किस प्रकार के मित्र का उदाहरण प्रस्तुत कर रहे हैं?</p>	<p>उत्तर- ऐसा मित्र जो साथ के विशेष में प्राण त्याग करे।</p>	
<p>विशेषता</p>	<p>व्याख्या विधि</p>	<p>प्रस्तुत दोहे में एक पार्श्व दोस्त का विस्तारपूर्वक व्याख्या की गई है।</p>		
<p>संबंधित प्रश्न</p>	<p>प्रश्न- उत्तर विधि</p>	<p>① सम्पत्ति के समय कौन साथ देता है?</p>	<p>उत्तर - सम्पत्ति के समय सभी सम्बन्धी सभी साथ देते हैं।</p>	



# मूल्यांकन

- ① सम्पत्ति और संग का क्या अर्थ है?
- ② सच्चा मित्र कैसा होना चाहिए?
- ③ किसकी कसौटी ली गई है?
- ④ सच्चे मित्र की किस विशेषता को दर्शाया गया है?

# गृहकार्य

- ① विद्यार्थी होने पर गुरु दैवी का अर्थ स्पष्ट करके तथा श्राद्ध करके लार।
- ② सच्चे मित्र की पहचान क्या है?

Asok K

Date 10/3/15

Duration of the period 35 मि०

Pupil Teacher's Name सरोज लकवाड़

Pupil Teacher's Roll No. 1425

Class सातवीं

Average Age of the pupils 12+

Subject हिन्दी शिक्षण

Topic चिट्ठियों की अनुठी दुनिया

# अनुदेशानात्मक उद्देश्य

I



- ① विद्यार्थी पत्र व्यवहार के बारे में जानकारी प्राप्त कर पाएँगे।
- ② विद्यार्थी पत्र व्यवहार से संबंधित ज्ञान प्राप्त कर पाएँगे।

II

- ① विद्यार्थी पत्र की विभिन्न प्रकार से बदलते हुए दूसरे रूप से उसकी उपयोगिता रख पाएँगे।
- ② विद्यार्थी पत्र का रूप मोबाइल, ई-मेल, तथा चैक्स के रूप में जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।



### III

- ① विद्यार्थी पत्र मोबाइल तथा ई-मेल आदि का प्रयोग दैनिक जीवन में कर पाएंगे।
- ② विद्यार्थी चिट्ठियों के लिखे जाने के कारण आसानी से जान पाएंगे।
- ③ विद्यार्थी चिट्ठियों का दैनिक जीवन में प्रयोग करके उसकी उपयोगिता समझने के योग्य हो पाएंगे।

### IV

- ① विद्यार्थी पत्र और आधुनिक साधनों में अंतर स्पष्ट करने के योग्य हो पाएंगे।

### V

:- चिट्ठियों के नमूने।

## पूर्वज्ञान परीक्षण :-

बच्ची ने दैनिक जीवन में पत्र से संबंधित प्रयोग जानते हैं।

# प्रस्तावना :-

प्रस्तावित प्रश्न	संभावित उत्तर
① (द्वि. अध्यायिका पत्र दिखाते हुए) यह क्या है?	पत्र
② क्या आपके पता है कि हम पत्र किसको लिखते हैं?	मित्रों, रिश्तेदारों को
③ शीतल रोग का, इसकी सूचना उसने किसके माध्यम से आपको घर पहुँचाई	पत्र से।
④ चिट्ठियों के विषय में आप और क्या जानते हैं?	समस्यात्मक / संभावित उत्तर

## उद्देश्य कथन :-

बच्चों को आज हम पत्रों पर चर्चा  
करेंगे तथा चिट्ठियों को "अच्छी  
दुनिया" के बारे में पढ़ेंगे।



# प्रस्तुतीकरण

शि० बिंदु	शि० विधि	द्वारा अध्यापिका क्रियाएँ	द्वारा क्रियाएँ
चिट्ठियों की अनूठी दुनिया	व्याख्या विधि	किसी व्यक्ति अथवा संस्था द्वारा अपने विचारों के आदान-प्रदान के लिए लिखित दस्तावेज चिट्ठी कहा जाता है।	
संबंधित प्रश्न	प्रश्न- उत्तर विधि	चिट्ठी किसे कहते हैं?	उत्तर - विचारों के आदान- प्रदान के लिए लिखित दस्तावेज।
चिट्ठियों के प्रकार	प्रदर्शन व व्याख्या विधि	मुख्यतः चिट्ठियाँ दो प्रकार की होती हैं - (क) राजपत्रित (ख) अराजपत्रित	
संबंधित प्रश्न	प्रश्न विधि	चिट्ठियाँ कितने प्रकार की होती हैं? नाम बताइए।	चिट्ठियाँ दो प्रकार की होती हैं - (क) राजपत्रित (ख) अराजपत्रित चिट्ठियाँ

क्र० बिंदु	विधि	क्षेत्र अध्यापिका क्रियाएँ
------------	------	----------------------------

राजपत्रित चिट्ठियाँ	व्याख्या विधि	राजपत्रित पत्र वह पत्र होता है जिनको राजकीय दस्तावेज आते हैं।
---------------------	---------------	---

संबंधित प्रश्न	प्रश्न-उत्तर विधि	राजपत्रित चिट्ठियाँ कौन सी होती हैं?
----------------	-------------------	--------------------------------------

उत्तर- राजकीय दस्तावेजों को राजपत्रित चिट्ठी कहते हैं।

अराजपत्रित चिट्ठियाँ	व्याख्या विधि	अराजपत्रित वे सभी प्रकार के पत्र व्यवहार के दस्तावेज आ जाते हैं, जो राजकीय काम के लिए प्रयुक्त न किए गए हैं।
----------------------	---------------	--

संबंधित प्रश्न	प्रश्न-उत्तर विधि	अराजपत्रित चिट्ठियाँ कौन सी होती हैं?
----------------	-------------------	---------------------------------------

उत्तर- राजकीय काम के लिए प्रयुक्त न किए जाते हैं।

चिट्ठियों के नाम	व्याख्या विधि	चिट्ठी के विभिन्न भाषाओं के नाम निम्न हैं:- क) अंग्रेजी में लेटर ख) उर्दू में खत ग) तेलगु में उत्तरम घ) कन्नड में कागद
------------------	---------------	--



# मूल्यांकन

- ① उर्दू में चिट्ठी को क्या कहते हैं?
- ② चिट्ठियों की अचूठी दुनिया किस ने लिखा?
- ③ क्या पत्र का स्थान एस. एम. एस. ले सकते हैं?

# गृहकार्य

- ① अपनी मित्र की अपने फ़म दिवस पर आमंत्रित करने के लिए लिए चिट्ठी लिखी।

Aslokkk

Date..... 10/3/15.....

Duration of the period..... 35 मिनट.....

Pupil Teacher's Name .. रमरोज लकवाड़ ..

Pupil Teacher's Roll No. ...1425.....

Class..... आठवीं ..

Average Age of the pupils..... 13+ ..

Subject..... हिन्दी ..

Topic..... अंलकार ..

# अनुदेशानात्मक उद्देश्य

I

:- ① अंलकार का अर्थ बता पाएंगे।

② अंलकार की पहचान कर पाएंगे।

③ विद्यार्थी अंलकार के भेदों के नाम बता पाएंगे।

II

:- ① अंलकार की भेदों के आधार पर वर्गीकृत कर पाएंगे।

② अंलकार के उदाहरण बता पाएंगे।

III

- ① दैनिक जीवन में अलकारों का प्रयोग कर पाएंगे।

IV

- ① अंलकृत भाषा लिखने का कौशल प्राप्त कर पाएंगे।



# पूर्वज्ञान परीक्षा

का अद्ययापिका क्रियाएँ	का क्रियाएँ
① प्रत्येक व्यक्ति अपने आप को अच्छा देखना चाहेगा?	हाँ
② स्त्रियाँ अपनी सुन्दरता बढ़ाने के लिए किन-किन चीजों का प्रयोग करती हैं?	तरह-तरह के कपड़े; चूड़ियाँ, मेकअप, काजल इत्यादि।
③ क्या भाषा में सुन्दरता लाई जा सकती है?	हाँ
④ भाषा में सौन्दर्य कैसे उत्पन्न किया जाता है?	समस्यात्मक प्रश्न

**उद्देश्य कथन :-** आओ बच्चो! आज हम भाषा में सौन्दर्यता को बढ़ाने के तरीके जानेंगे।



# प्रस्तुतीकरण

क्र.सं.	विधि	का. अध्यापिका क्रिया	पृ.
अलंकार	प्रदर्शन व्याख्या विधि	अलंकार में अलम् + कार ही शब्द है। अलम् का अर्थ है - आभूषण। जो अलंकृत करे वही अलंकार है। अलंकार सौन्दर्य का साधन है। जिस प्रकार आभूषण नारियों का शृंगार होते हैं उसी प्रकार साहित्य में शब्दों और अर्थों में चमत्कार लाने वाले तत्त्व अलंकार हैं।	
अलंकार के प्रदान	प्रश्न-उत्तर विधि प्रदर्शन विधि	① अलंकार का क्या अर्थ होता है?  अलंकार ही प्रकार के होते हैं :- ① अर्थ अलंकार	उत्तर - अलंकार का अर्थ है आभूषण या गहनें।



शिक्षण बिंदु

शिक्षण विधि

का अद्वैतापिका क्रियाएँ

का क्रियाएँ

याँक बर्ड

② अर्थ अंलकार

संबंधित प्रश्न

प्रश्न उत्तर विधि

① अंलकार कितने प्रकार के होते हैं?

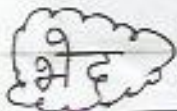
उत्तर - अंलकार दो प्रकार के होते हैं।

- ① अर्थ अंलकार
- ② शब्द अंलकार

शब्द अंलकार

व्याख्या विधि

जहाँ विशिष्ट शब्दों का प्रयोग करके भाषा में सुन्दरता आ जाती है वहाँ शब्द अंलकार होता है।



शब्द अंलकार के प्रकार

प्रदर्शन विधि

शब्द अंलकार के तीन प्रकार हैं: —

- ① अनुप्रास अंलकार
- ② यमक अंलकार
- ③ श्लेष अंलकार

श्री. बिंदु    श्री. विधि    मात्र अध्यापिका क्रियाएँ

प्रश्न    ① शब्दालंकार के कितने  
 उत्तर-  
 प्रश्न    प्रकार होते हैं?

- उत्तर-  
 3 प्रकार हैं  
 ① अनुप्रास  
 ② यमक  
 ③ श्लेष

अनुप्रास    व्याख्या  
 अलंकार    विधि    अनुप्रास अलंकार :- किसी वर्ण  
 की बार-2  
 आवृत्ति होने, अनुप्रास  
 अलंकार होते हैं।

उदाहरण - ① रघुपति राघव राजा  
 राम।  
 'र' वर्ण की आवृत्ति।  
 कोई एक ही शब्द बार-2  
 आरु परंतु अर्थ हर बार भिन्न हो।  
 उदाहरण - कनक-कनक तै सी  
 चुनी।  
 कनक-सौना, कनक-धतुरा

यमक    व्याख्या  
 अलंकार    विधि    यमक अलंकार :- किसी शब्द का प्रयोग एक बार ही पर  
 अर्थ अलग-2 हो।  
 उदाहरण - सुवर्न की खोजत  
 फिरत, कवि, व्याभिचारी  
 चौर

श्लेष    व्याख्या  
 अलंकार    विधि    श्लेष अलंकार :- दो शब्दों के अर्थों को जोड़कर  
 एक ही अर्थ बनाने का अलंकार।  
 उदाहरण - सुवर्न की खोजत  
 फिरत, कवि, व्याभिचारी  
 चौर



# मूल्यांकन

- ① अंलकार किसे कहते हैं?
- ② अंलकार के कितने भेद होते हैं?
- ③ अनुप्रास अंलकार किसे कहते हैं? उदाहरण दीजिए।
- ④ यमक अंलकार किसे कहते हैं? उदाहरण दीजिए।
- ⑤ श्लेष अंलकार किसे कहते हैं?

# गृहकार्य

- ① अंलकार की परिभाषा लिखिए।
- ② शब्दांलकार क्या है?
- ③ भाषा की सुन्दरता किससे बढ़ती है?
- ④ यमक अंलकार का उदाहरण लिखिए।

Amr

Date..... 10/3/15.....

Duration of the period... 35 मिनट.....

Pupil Teacher's Name... सरोज लकवाड़.....

Pupil Teacher's Roll No. ...1425.....

Class..... 6.....

Average Age of the pupils.....

Subject... हिन्दी शिक्षण.....

Topics... "अनामृति भिन्नार्थी शब्द"

# अनुदेशनात्मक

## उद्देश्य

I

① भिन्नार्थी शब्दों की परिभाषा लिख पाएंगे।

② भिन्नार्थी शब्दों की पहचान पाएंगे।

II

③- ① भिन्नार्थी शब्दों का उच्चारण सही ढंग से कर पाएंगे।

III

④ भिन्नार्थी शब्दों के अर्थ के अनुकूल प्रयोग कर पाएंगे।

IV

⑤ भिन्नार्थी शब्दों का मूल्यांकन कर पाएंगे।



## सहायक सामग्री :-

फ्लैश कार्ड, भिन्नार्थी शब्दों का चार्ट

# पूर्वज्ञान परीक्षण

प्रस्तावित प्रश्न	संभावित उत्तर
① दृष्टांत अक्षरापिका बच्चों से चार्ट पर लिखे शब्दों को पढ़वाएंगी।	बच्चे पढ़ेंगे।
② बच्चों! ये शब्द आपकी पढ़ने में कैसे लगे ?	एक समान
③ क्या इनमें कोई भिन्नता है ?	मात्राओं की।
④ क्या आप इनमें और कोई भिन्नता बता सकते हैं ?	समस्यात्मक प्रश्न

## उद्देश्य कथन

आओ! बच्चों आज हम इन समासों पर भिन्नार्थी शब्दों के विषय में पढ़ेंगे।



# प्रस्तुतीकरण

शि० बिंदु	शि० विधि	का० अध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
-----------	----------	------------------------	----------------

भिन्नार्थी शब्दों की परिभाषा	व्याख्या विधि प्रदर्शन विधि	<p>का० अध्यापिका बच्चों से चार्ट पर लिखे शब्दों को पहचानेंगी जैसे-</p> <p>आर्द्र - आर्द्रा                      मैं - मैं                      हरि - हरि                      कर्ण - कर्ण                      उपकार - अपकार</p>	<p>बच्चों समझती शब्दों को पढ़ेंगे।</p>
------------------------------	-----------------------------	--	--

प्रश्न	<p>— ① बच्चों से शब्द पढ़ने में कैसे लगे? रुक जैसे लगे।</p> <p>बिल्कुल ठीक - ये शब्द पढ़ने में रुक जैसे ही है परन्तु इनमें कुछ अन्तर है क्या आप में से कोई बता सकता है क्या अन्तर है?</p> <p>बिल्कुल ठीक रुक अन्तर मात्राओं का है।</p> <p>दूसरा अन्तर - यह है कि इन रुक समान दिखने वाले होने वाले शब्दों का अर्थ</p>	<p>रुक जैसे लगे।</p> <p>मात्राओं का अन्तर है।</p>
--------	--	---



शिक्षण बिन्दु

शि. विधि

छात्र अध्यापिका क्रियाएं

अलग - अलग हैं।

ऐसे शब्दों को ही भिन्नार्थी शब्द कहते हैं।

शब्द व  
अर्थ

व्याख्या  
व  
प्रदर्शन  
विधि

छात्र अध्यापिका चार्ट पर लिखे सभी शब्दों का संकेतक है सहायता से सही उच्चारण करेंगी तथा उनका अर्थ बताएगी जैसे - ① आदि - आदी

शब्द व  
अर्थ

उदाहरण -

⊗ आदी - आदत

\* आदि - आरंभ

प्रदर्शन  
विधि

② हरि - हरी

शब्द व  
अर्थ।

हरि - प्रभु, भगवान

हरी - हर रंग की वस्तु

विंडु शि० विधि का अध्यापिका क्रियाएँ

वाचन प्रश्न -  
संशोधन उत्तर  
विधि लिखें  
क्षत्र अध्यापिका चार्ट पर  
लिखे शब्दों का उच्चारण  
क्षत्रों से करवाएंगी।

का अध्यापिका बच्चों की  
असुविधियों में सुधार  
करेगी।

वाचन प्रश्न -  
संशोधन उत्तर  
विधि लिखें  
क्षत्र अध्यापिका बच्चों से  
प्रश्न पूछेंगी -

① कल्पना व कल्पना का  
व्या अर्थ है?

उत्तर- ①  
कल्पना -  
नई सोच

② क्षति-क्षति में क्या अन्तर  
है?

कल्पना -  
दुखी करना  
② क्षति-हानि  
क्षति-पृथ्वी।

③ कर्ण व करण का क्या  
अन्तर है?

कर्ण - कान  
करण - कारक  
है।



# मूल्यांकन

- ① भिन्नार्थी शब्द किसे कहते हैं?
- ② भिन्नार्थी शब्दों 5 उदाहरण दी।
- ③ आर्द्र-आर्द्र, क्षीत-क्षीत, हरि-हरी का अर्थ बताओ?
- ④ भिन्नार्थी शब्दों में क्या अमानता होती है?

# गृहकार्य

10 भिन्नार्थी शब्दों की सूची अर्थसहित लिख कर लाओ।

Ashekh

Date..... 11/3/15 .....

Duration of the period..... 35 मिनट .....

Pupil Teacher's Name ..... सरोज लकवाड़ .....

Pupil Teacher's Roll No. .... 1425 .....

Class..... 6 .....

Average Age of the pupils..... 11-12 .....

Subject..... हिन्दी शिक्षण .....

Topic..... समानार्थी शब्द .....

# अनुदेशनात्मक उद्देश्य

I

1-1 पाठोपरान्त विद्यार्थी समानार्थी शब्दों की परिभाषा बता पाएंगे।

2 पर्यायवाची शब्दों की पहचान कर पाएंगे।

II

1 पर्यायवाची शब्दों के उदाहरण दें पाएंगे।

ii विद्यार्थी पर्यायवाची शब्दों की वर्गीकृत कर पाएंगे।

III

1 पर्यायवाची शब्दों का प्रयोग विद्यार्थी अपने दैनिक जीवन में कर पाएंगे।

IV

1 पर्यायवाची पर्यायवाची शब्दों का मूल्यांकन कर पाएंगे।



ए सामान्य सहायक सामग्री -

विषय

सहायक सामग्री

पर्यायवाची शब्दों का चार्ट।

# पूर्वज्ञान परीक्षा

प्रस्तावित प्रश्न	संभावित उत्तर
① द.अ. फ्लैश कार्ड दिखाकर वर्षा होने वाली है।	द.अ. फ्लैश कार्ड से पढ़ेंगे बारिश होने वाली है।
② यहाँ दूसरे वाक्य में वर्षा के लिए क्या शब्द प्रयोग किया गया?	बारिश
③ क्या बारिश शब्द से वाक्य के अर्थ में कोई परिवर्तन आया?	नहीं
④ इसी प्रकार हम पानी के लिए दूसरा क्या शब्द प्रयोग कर सकते हैं?	जल
⑤ क्या आप बता सकते हैं कि एक ही अर्थ बताने वाले इन शब्दों को व्याकरण में क्या कहते हैं?	समस्थानिक प्रश्न

उद्देश्य कथन :-

आमों बच्चों आज हम पर्यायवाची शब्दों के विषय में पढ़ेंगे।



# प्रस्तुतीकरण

शि. बिंदु	शि. विधि	का. अध्यापिका क्रियाएँ
पर्याय- वाची शब्दों से पहचान	वार्तालाप विधि	<p>का. अध्यापिका एक वाक्य बोलेंगी -</p> <p>* गाँधी जी <u>सदा-सत्य</u> बोलते थे।</p> <p>* गाँधी जी <u>हमेशा सच</u> बोलते थे।</p>

यहाँ सदा, हमेशा व  
सत्य और सच एक  
दूसरे के समानार्थी  
हैं।

पर्याय वाची शब्द	लक्ष्य। एक वार्तालाप विधि	इन शब्दों को पर्यायवाची या समानार्थी शब्द कहते हैं।
		समानार्थी यानी समान अर्थ बताने वाले शब्द



शि० बिन्दु      शि० विधि      छात्र अध्यापिका क्रियाएं

परिभाषा

वर्तलाप  
विधि

परिभाषा :- जो शब्द समान अर्थ  
बताने हैं या एक ही  
अर्थ को बताने वाले शब्दों को  
समानार्थक या पर्यायवाची शब्द  
कहते हैं।

जैसे - पुत्र - बेटा, सुत - नन्दन  
अतः ये शब्द आपस में  
समानार्थक हैं।

छा० अध्यापिका परिभाषा को  
श्यामपट पर लिखेंगी।

पर्यायवाची  
शब्दों  
का  
अभ्यास  
कराना

प्रदर्शन  
विधि

छा० अध्यापिका चार्ट दिखाकर  
बच्चा से इन शब्दों और  
उनके अर्थ को पढ़ने के  
लिए कहेंगी।

जैसे :- ① मानव :- मनुष्य,  
आदमी  
② शत्रु :- दुश्मन, वैरी।

छा० अध्यापिका कुछ वाक्य  
लिखेंगी और रेखांकित शब्दों  
के पर्यायवाची शब्दों का

क्र.सं.	क्र.सं. विधि	का अक्षर्यापिका क्रियासं
---------	--------------	--------------------------

कात्र सहभागिता	प्रयोग करके कात्रों को वाक्य दोबारा लिखने को कहेंगी।
----------------	--

अभ्यास	कात्र विधि	जैसे:- ① ईश्वर ने मनुष्य को बुद्धिमान बनाया है।
--------	------------	---

② प्रातः होने पर सूर्य निकलता है।

इन शब्दों से अर्थ से पहचान कराना	खेल विधि	का अ० कक्षा को दो टीमों में बाँटेगी और एक-2 करके कुछ पर्यायवाची शब्दों के फ्लैश कार्ड श्यामपट्ट पर लिपकासेगी तथा किसी भी स्कर्टीम के कात्र से पर्यायवाची शब्द का अर्थ दूढ़कर लिपकाने को कहेंगी इसी प्रकार खेल भागे बटणा, प्रत्येक टीम को सही अर्थ के 5 अंक मिलेंगे। इसी प्रकार कात्र कुछ पर्यायवाची शब्द सीखेंगी।
----------------------------------	----------	---

अक्षर्यापिका वर्त्यों को इसी प्रकार के शब्द सोचने को कहेंगी जिनके 5 पर्यायवाची शब्द कात्रों को दूढ़ने या सोचने होंगे।



# मूल्यांकन

- पर्यायवाची शब्दों को परिभाषित करें।
- उचित समानार्थी शब्द चुनकर खाली स्थान में लिखें।
  - सूर्य \_\_\_\_\_ (दिवाकर, राकेश)
  - वर्गीचा \_\_\_\_\_ (वन, उपवन)

# गृहकार्य

\* उचित जोड़ें मिलाओ —

बादल	वारि
चाँद	पवन
समुद्र	कुजन
वायु	जलधर
वन	राकेश
सूर्य	जलधि
जल	भूमि
पृथ्वी	सूरज

*Handwritten signature*



Date..... 12/3/15.....

Duration of the period 30 मि.

Pupil Teacher's Name सरोज लक्वाड़

Pupil Teacher's Roll No. 1425

Class..... 6.....

Average Age of the pupils..... 11-12.....

Subject..... हिन्दी शिक्षण.....

Topic..... निबंध - दीपावली दिवस का वर्णन

# आनुदेशनात्मक उद्देश्य

I

उ-① विद्यार्थी भाषा के व्याकरण पक्ष का ज्ञान ही पारंगत।

② निबंध पढ़कर अर्थ ग्रहण करने का योग्यता विकसित ही पारंगत।

II

उ-① विद्यार्थी निबंध को पढ़ कर समझ पारंगत।

② निबंध लिखने में सहज ही पारंगत।

III

उ-① किसी बात को संक्षिप्त व विस्तृत रूप से कहने का योग्यता विकसित कर पारंगत।

IV

उ-① निबंध पढ़कर अर्थ ग्रहण करने का योग्यता का विकास कर पारंगत।



सामान्य सहायक सामग्री

निर्देश

सहायक सामग्री :-

दीपावली लिखा हुआ निबंध चर्चा।

# पूर्व ज्ञान परीक्षण

प्रस्तावित प्रश्न	संभावित उत्तर
① दीया दिखाते हुए यह क्या है ?	दीया ।
② दीये हम कब जलाते हैं ?	दीपावली पर !
③ हम दीपावली कब मनाते हैं ?	संभावित उत्तर
④ हम दीपावली क्यों मनाते हैं ?	क्योंकि इस दिन भगवान राम 14 वर्ष के पनवास के बाद अयोध्या आए।
⑤ क्या आप दीपावली पर निबंध लिख सकते हैं ?	समस्यात्मक प्रश्न

उद्देश्य कथन :-

आओ बच्चों आज हम दीपावली पर निबंध लिखना सिखेंगे।



# प्रस्तुतीकरण

श्री०विंदु	श्री०विधि	द्वारा अध्यापिका क्रियाएँ
मौखिक अभि- व्यक्ति	वार्तालाप व वाचन विधि	द्वारा अध्यापिका बच्चों को बताएंगी कि बच्चों निबंध में अपने विचारों को अभिव्यक्ति करते हैं। द्वारा अध्यापिका श्यामपट्ट पर दीपावली का निबंध लिखना प्रारम्भ करेंगी।

निबंध की भूमिका	वाचन व व्याख्या विधि	द्वारा आ० दीपावली निबंध की भूमिका लिखते हुए बताएंगी कि निबंध लिखने से पहले उसकी भूमिका लिखते हैं।
-----------------------	-------------------------------	---

भूमिका:- भारत त्यौहारों का देश है। यहाँ दीपावली, दशहरा ईद बुनादि त्यौहार की धूमधाम से मनाए जाते हैं। दीपावली हिन्दुओं का पवित्र व सबसे बड़ा त्यौहार है।



शिक्षण बिंदु

शि० विधि

द्वान् अध्यायिका क्रियाएँ

भूमिका

व्याख्या  
विधि

पुरे भारत में मनाया जाता है। दीपावली - दीपन आवली  
दो शब्दों से बना है जिसका अर्थ है, दीपों को लाइन यह त्योहार कार्तिक मास के अमावस्या को मनाया जाता है।

संबंधित  
कहानियाँ

व्याख्या  
विधि

दीपावली से संबंधित कहानियाँ:-  
दीपावली के इस मधुर पर्व के साथ अनेक कहानियाँ जुड़ी हैं। प्रमुख कथा तो भगवान राम की है। इस दिन भगवान श्री रामचन्द्र जी लंका विजय करने के बाद अयोध्या वापिस लौटे थे। लोगों ने इस दिन अपने द्वारों में दीप जलाकर और मिठाइयाँ बाँटकर खुशियाँ मनाई थीं। इसी दिन स्वामी रामतीर्थ, स्वामी दयानंद तथा महावीर स्वामी को निर्वाण प्राप्त हुआ था।

11/9/20



श्री. विंदु	शि. विधि	दान अध्यापिका क्रियाएँ	दान क्रियाएँ
-------------	----------	------------------------	--------------

यह त्यौहार देश के कौन-2 में बड़ी धूमधाम से मनाया जाता है।

महत्व  
व्याख्या  
विधि

महत्व :- दीपावली स्वच्छता का भी प्रतीक है। लोग घरों को सफाई करते हैं। बाजार अतिबाजार व पटाखों से भरे रहते हैं। दीपावली वर्षा ऋतु की समाप्ति पर आती है वर्षा ऋतु में कीचड़ घरों में अपना घर बना लेते हैं। इसी वजह से लोग वर्ष भर में एक बार पूरे घर को सफाई करते हैं।

उपसंहर  
व्याख्या  
विधि

उपसंहर - दीपावली खुशियों व हर्ष का त्यौहार है। यह त्यौहार हमें भगवान राम, स्वामी दशानंद, महावीर स्वामी की याद दिलाता है। हमें उनके आदर्शों का आदर करते हुए उन पर चलने का प्रयास करना चाहिए। इस दिन बहुत से लोग जुआ खेलते हैं बराब पीते हैं यह गलत है अतः दीपावली को खुशी से मनाए।



# मूल्यांकन

- ① दीपावली कब मनाते हैं?
- ② दीपावली से संबंधित और कौन सी कहानी है?
- ③ दीपावली का क्या महत्व है?

# गृहकार्य

इसी प्रकार आप किसी अन्य व्यंजन पर निबंध लिखें।

Asakkk



Date..... 12/3/15.....

Duration of the period..... 35 मिनट.....

Pupil Teacher's Name..... सरोज लकवा.....

Pupil Teacher's Roll No. .... 1425.....

Class..... 6.....

Average Age of the pupils..... 11-12.....

Subject..... हिन्दी शिक्षण.....

Topic..... स्वास्थ्य अधिकारी को पत्र.....

# अनुदेशनात्मक उद्देश्य

I

① अपनी बात को स्पष्ट और संक्षिप्त रूप में लिख पाएंगे।

② वे मौखिक व लिखित रूप से अपने भाव व्यक्त कर पाएंगे।

II

① विद्यार्थी अधिकारियों के लिखे जाने वाले पत्र के विभिन्न अंगों संबोधन, प्रशक्ति, मुख्य विषय, सम्बन्ध सूचक शब्द, पता आदि लिख पाएंगे।

III

विद्यार्थी दैनिक जीवन में पत्र लिखने का प्रयोग कर पाएंगे।

IV

⑤- पत्र लेखन का मूल्यांकन कर पाएंगे।



सामान्य सहायक सामग्री

विश्वी 62

सहायक सामग्री:-

पत्र लिखा हुआ चार्ट।

# पूर्वज्ञान परीक्षण

प्रस्तावित प्रश्न	संभावित उत्तर
① तुम किस क्षेत्र में रहते हो ?	संभावित उत्तर।
② वहाँ सफाई की व्यवस्था कौन करता है ?	M.C.D के कर्मचारी
③ यदि वहाँ सफाई की व्यवस्था ठीक न हो तो तुम इसका शिकायत किस से करोगे ?	स्वास्थ्य अधिकारी को।
④ स्वास्थ्य अधिकारी को पत्र लिखने का क्या विधि है ?	सामस्यात्मक प्रश्न

उद्देश्य कथन

आमों बच्ची आज हम स्वास्थ्य अधिकार को पत्र लिखना सिखेंगे।



# प्रस्तुतीकरण

शि० वि०	शि० विधि	एक अध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ	<del>किस क्रियाएँ</del>
पत्र कैसे भेजना है		<p>एक आठ बच्चों से पूछेंगी यह पत्र किसके पास भेजना है? चाट दिखाने हुए - ① उस अधिकारी का नाम?</p> <p>प्र० यह औपचारिक पत्र है या अनौपचारिक?</p>	उत्तर - औपचारिक पत्र है।	
अधिकारी का नाम	प्रश्न उत्तर विधि	प्र० क्या आप उस अधिकारी को जानते हैं जिसे पत्र लिखा जा रहा है?	नहीं।	
सम्बोधन प्रशस्ति		चाट दिखाने हुए ---! सरकारी पत्रों में अधिकारियों को किस प्रकार सम्बोधित के बाद विस्मयादि बौधक चिह्न लगाया जाता है।		
	प्रश्न-उत्तर विधि	① आप कहाँ रहते हैं? जगह का नाम बताइए?	बच्चे अपनी बस्ती का नाम बतावेंगी।	



शिक्षण बिंदु	शि० विधि	का० अध्यापिका क्रियासं	का० क्रियासं	चॉक बोर्ड क...
<p>पत्र का मुख्य विषय</p> <p>(क) निवास स्थान का नाम</p>	<p>का० अहभागिता विधि</p>	<p>① कात्र अध्यापिका बच्चों से आप क्या सूचना देना चाहते हैं।</p> <p>② यह सूचना आपको खुशी दे रही है या दुख।</p>	<p>बच्चे अपनी बस्ती का नाम बताएंगे हम दुख के साथ यह सूचित करना चाहते हैं कि हमारे इलाके में सफाई की स्थिति बहुत खराब है।</p>	
<p>(ख) निवेदन दुःख के साथ सूचना सफाई की स्थिति खराब है।</p>	<p>प्रश्न - उत्तर विधि</p>	<p>③ आपके इलाके में किस तरह की गन्दगी है?</p> <p>④ आपके क्षेत्र में गन्दगी क्या है? - सफाई कर्मचारियों का लापरवाही के कारण बहुत दिनों से ठीक से सफाई नहीं हुई लापरवाही पूर्ण है।</p>	<p>जगह-2 गन्दगी के ढेर हैं। गड्डी में बदबूदार पानी है जो सूड गया। नालियों व सीवर की हालत बड़ी खराब है मच्छरों व मक्खियों की भरमार है।</p>	
<p>(ग) गन्दगी की दशा</p>		<p>⑤ कर्मचारियों का दृष्टिकोण कैसा है?</p>		



श्री० बिन्दु	शि० विधि	हात अध्यापिका क्रियाएँ	हात क्रियाएँ
जिन्दगी से स्वतंत्र	प्रश्न -उत्तर विधि	<p>⑥ आप की जिन्दगी पर क्या असर पड़ रहा है ?</p> <p>⑦ आप क्या निवेदन करना चाहते हैं ?</p> <p>उत्तर- सबसे पहले इलाके का दौरा कर लिया जाएँ व स्थिति को स्वयं देखें फिर सफाई कर्मचारियों से सफाई अभियान चलवाएँ जाएँ।</p>	<p>उत्तर- जिन्दगी के कारण सांस लेना मुश्किल है, डेगू, मलेरिया जैसी विमारिक्त फैल रही हैं।</p>
समापन	<u>व्याख्या</u> <u>विधि</u>	<p>पत्र के समापन में आप भवदीय का प्रयोग करेंगे क्योंकि अधिकारी आपका परिचित नहीं हैं। अन्त में हार्थी और अपना नाम व पता लिखेंगे। अगली लाइन में आप जिस तिथि को पत्र लिखा है वही तिथि लिखेंगे। अध्यापिका पूरे पत्र को थ्रामपट्ट पर लिखेंगी व सम्झौतगी।</p>	

25



# मूल्यांकन

- ① आप ने किस प्रकार का पत्र लिखा है?
- ② यह पत्र क्षेत्रीय स्वास्थ्य अधिकारी को क्यों लिखा गया?
- ③ आपकी बर्तनी में गन्दगी की स्थिति कैसी है?

# गृहकार्य

इसी पत्र को पढ़कर व इसी की सहायता, स्वास्थ्य अधिकारी को नालियों की दृष्टा के बारे में पत्र लिखें।

Ashe

**DISCUSSION  
LESSON**



Date 3/3/15

Duration of the period 35 मिनट

Pupil Teacher's Name सरोज लकवाड़

Pupil Teacher's Roll No. 1425

Class आठवीं

Average Age of the pupils 13+

Subject हिन्दी शिक्षण

Topic सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'

# अनुदेशनात्मक उद्देश्य

I

① विद्यार्थी सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' के नाम से सामान्य रूप से परिचित हो पाएंगे।

II

② विद्यार्थी कवियों का जीवन, व्यक्तित्व कृतित्व के सामान्य ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।

III

③ विद्यार्थी साहित्यकारों के जीवन से प्रेरणा लेकर अपने जीवन में प्रयोग कर पाएंगे।

IV

④ विद्यार्थी कविता का मूल्यांकन कर पाएंगे।



सामान्य सहायक सामग्री

सहायक सामग्री

कविता लिखी हुई चाटी।

# पूर्वज्ञान परीक्षण

प्रस्तावित प्रश्न	संभावित उत्तर
① बच्चों क्या आपने किसी कविता को पढ़ा है?	हाँ
② किस-कवि का कविता पढ़ी है?	सुभद्रा कुमारी चौहान या अन्य कोई।
③ कोई कविता सुनाओ।	बच्चे कविता सुनाएंगे - सिंहासन हिल उठे ---- राजवंशो ने झुकती तानी थी बूढ़े भारत में आदि से नई जवानी थी -- खूब लड़ी मेहनत की ते झौंसी वाली रानी थी। समस्यात्मक प्रश्न।
④ क्या आपने सुर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' को कोई कविता सुनी है?	

उद्देश्यकथन :-

आओ बच्चों आज हम सुर्य कान्त त्रिपाठी निराला जी के जीवन व उनकी कविता के विषय में पढ़ेंगे।



# प्रस्तुतीकरण

शि० विन्दु	शि० विधि	काव्य अध्यापिका क्रियाएँ	काव्य क्रियाएँ
<p>1. "जीवनी सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला"</p>	<p>व्याख्या विधि</p>	<p>सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' हिन्दी काव्य क्षेत्र का एक निराली ही हवीं थी। स्वच्छ व्यक्तित्व और स्वाभिमान की स्वभाव के वनी निराला जी का जन्म सन् 1897 ई० में बंगाल के महिषादल राज्य के मंदांनुपार जिले में हुआ। आपके पिता प० रामसहाय त्रिपाठी मूलतः उ० प्रदेश के जिला उन्नाव के गढ़कौला गाँव के निवासी थे।</p>	
<p>संबंधित प्रश्न</p>	<p>प्रश्न - उत्तर विधि</p>	<p>① निराला जी का जन्म कब हुआ ?</p>	<p>1897 ई०</p>
<p>माता- पिता की मृत्यु</p>	<p>व्याख्या विधि</p>	<p>निराला जी के पिता महिषादल राज्य में कार्यरत थे। निराला जी के सिर से माता-पिता की स्नेह छया शीघ्र ही उठ गया था।</p>	<p>बंगाल में।</p>



विशेष बिन्दु

शि० विधि

ज्ञान अध्यापिका क्रियारण

ज्ञानक्रियाएँ

पत्नी का  
अल्पायु  
में  
मृत्यु

व्याख्या  
विधि

उनका विवाह साहित्यिक कृति वाली  
मनोहर देवी से हुआ।  
पत्नी में निराला में साहित्यिक  
अभिकृति जगाई किन्तु वह एक  
पुत्री और पुत्र के पालन-पोषण  
का भार निराला जी पर  
झोड़कर मात्र 22 वर्ष की  
अल्पायु में उनका चिर-विधुरता  
के अभिशाप से त्रस्त करके  
चली गई।

अबखट  
स्वभाव

व्याख्या  
विधि

निराला पत्नी की मृत्यु से  
इतने अवसाद हुए कि  
कलकत्ता छोड़कर लखनऊ  
चले गए। लखनऊ में  
कुछ समय तक 'गंगा'  
पुस्तक, 'माला' तथा 'सुधा' का  
सम्पादन किया। अबखट  
स्वभाव ने उनको यहाँ  
भी नहीं ठिकने दिया  
और वह इलाहाबाद  
जाकर रहने लगे।

संबंधित  
प्रश्न

प्रश्न उत्तर  
विधि

निराला जी ने किस पुस्तक का  
सम्पादन किया?

उत्तर -  
गंगा,  
पुस्तक और  
सुधा



शि. बिंदु	शि. विधि	ज्ञान अध्यापिका क्रियाएं	ज्ञान क्रियाएं
-----------	----------	--------------------------	----------------

पुत्री की इत्यु	व्याख्या विधि	<p>उनकी विवाहित पुत्री सरोज का दैहान्त ही गया। पुत्री के विधवा में व्यवस्थित निराला जी ने अपने मार्मिक उद्गार 'सरोज स्मृति' में अंकित किए इन आवाजों ने 'निराला' को अत्यन्त आत्मसीमित और कठोर बना दिया।</p>	
साहित्य प्रवचन	व्याख्या विधि	<p>निराला जी का हिन्दी काव्य की अत्यधिक प्रवृत्तियों के प्रयागराज थे। छायावादी परम्परा का सफल निर्वाह करते हुए। उन्होंने प्रगतिशील विचारधाराओं की भी काव्य में स्थान दिया। यदि प्रगतिवादी 'सूक्ष्म' के प्रति स्थूल का विरोध के पुरीक्षा है। बंगाल की सांस्कृतिक और विज्ञान सृष्टि भूमि के संस्कार 'निराला' में होकर हिन्दी - कविता तक आये, रामकृष्ण परमहंस स्वामी विवेकानन्द तथा रविन्द्र ठाकुर से अत्यधिक प्रभावित थी</p>	

शि० बिंदु

शि० विधि

दात्र अध्यापिका क्रियारूँ

दलित की  
का  
ध्यान

व्याख्या  
विधि

“निराला” जी ने न केवल समाज के दलित उपेक्षित जन की अपनी रचनाओं का पात्र बनाया, अपितु वैचारिक धरातल पर भी आप विषयव्यापी चेतनाओं से जुड़े। पूँजीवाद, शोषण और सामाजिक अन्याय के विकरल उनकी वाणी बड़ी प्रसुरता और वृद्धता से व्यक्त हुई। “गुलाब” शीर्षक रचना प्रमाण है।

रचनारूँ

व्याख्या  
विधि

निराला जी ने कविता की अतिरिक्त उपन्यास, कहानी निबंध, आलोचना एवं संस्मरण आदि अनेक विधाओं की अपनी लेखनी का विषय बनाया है।

प्रमुख रचनारूँ :-

1. परिमल
2. गीतिका
3. अनामिका
4. स्मरण स्मृति
5. राम की शक्ति पूजा



शे. विदु शि. विधि कात्र अध्यापिका क्रियाएँ

प्रश्न प्रश्न-उत्तर विधि "निराला जी की किन्हीं दो रचनाओं के नाम बताओ ?

परिमल व्याख्या विधि इस वाक्य में 'निराला' के स्वच्छन्दतावादी कला के संदर्भ में दर्शन होते हैं।

गितिका व्याख्या विधि इस संग्रह में कवि के व्यक्तित्व के कोमलता के दर्शन होते हैं।

नामिका व्याख्या विधि इसकी रचनाओं में कलात्मक अभिव्यक्ति की प्रधानता है।

सरोज स्मृति व्याख्या विधि यह निराला की प्रिय पुत्री सरोज की असमय मृत्यु पर रचा गया एक धार्मिक शोथ गीत है।

राम द्वारा शक्ति पूजा व्याख्या यह रावण वधा के निमित्त राम द्वारा की गई देवी की पूजा पर आधारित एक ओज और वीर रस प्रधान रचना है।

राम की शक्ति पूजा प्रदर्शन व व्याख्या विधि अपरा, अणिमा, कुकुरमा, बैला, अर्चना, नरपत्नी आराधना आदि।

# मूल्यांकन

- ① सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' के पिता का नाम क्या था?
- ② इनका विवाह किसके साथ हुआ? और धर्मा की मृत्यु किस उम्र में हुई।
- ③ निराला जी का जन्म कब और कहाँ हुआ था?
- ④ इन्होंने सरोज स्मृति की रचना क्यों की?

# गृहकार्य

- ① निराला का जीवन परिचय लिखिए।
- ② परिमल रचना किस प्रकार की है।

~~4/5/25~~





**OBSERVATION  
LESSONS**

## Observation Lesson No. 1

Date 13/2/15

Duration of the period 30 मिनट

Pupil Teacher's Name सौ. निशा

Pupil Teacher's Roll No. 1425

Class छठी

Average Age of the pupils 12

Subject हिन्दी शिक्षण

Topic विशेषण

- ① सहायक सामग्री का प्रयोग किया गया।
- ② आवाज़ स्पष्ट थी।
- ③ कक्षा नियंत्रित थी।
- ④ गृह कार्य दिया गया।

Asst. Teacher

Sign. of Pupil Teacher

Sign. of Supervisor

## Observation Lesson No. 2

Date 14/2/15

Duration of the period 30 मिनट

Pupil Teacher's Name सौ. निशा

Pupil Teacher's Roll No. 1425

Class सातवीं

Average Age of the pupils 12

Subject हिन्दी शिक्षण

Topic सर्वनाम और उसके भेद

- ① आवाज़ प्रभावपूर्ण थी।
- ② कक्षा नियंत्रित थी।
- ③ समय-समय पर प्रश्न पूछे गए।
- ④ गृह कार्य दिया गया।

Asst. Teacher

Sign. of Pupil Teacher

Sign. of Supervisor



### Observation Lesson No. 3

Date 16/2/15

Duration of the period 30 मिनट

Pupil Teacher's Name सौमिया

Pupil Teacher's Roll No. 1425

Class सातवी

Average Age of the pupils 12

Subject हिन्दी शिक्षण

Topic कारक और उसके भेद

1. पाठ्य प्रस्तुती अच्छी थी।
2. आवाज स्पष्ट थी।
3. कक्षा नियन्त्रित थी।
4. गृहकार्य दिया गया।

Sign. of Pupil Teacher

Sign. of Supervisor

### Observation Lesson No. 4

Date 18/2/15

Duration of the period 30 मिनट

Pupil Teacher's Name सौमिया

Pupil Teacher's Roll No. 1425

Class आठवी

Average Age of the pupils 13+

Subject हिन्दी शिक्षण

Topic क्रिया व उसके भेद

1. सहायक सामग्री का प्रयोग किया गया।
2. आवाज स्पष्ट थी।
3. बच्चों पर ध्यान दिया गया।
4. गृहकार्य दिया गया।

Sign. of Pupil Teacher

Sign. of Supervisor



## Observation Lesson No. 5

Date 19/2/15

Duration of the period 30 मिनट

Pupil Teacher's Name सौ. निखा

Pupil Teacher's Roll No. 1425

Class सातवीं

Average Age of the pupils 13+

Subject हिन्दी शिक्षण

Topic वर्ण-व्यवस्था

- ① आवाज में स्पष्टता थी।
- ② सहायक सामग्री का प्रयोग किया गया।
- ③ कक्षा में अनुशासन था।
- ④ गृह कार्य दिया गया।

Sign. of Pupil Teacher

Sign. of Supervisor

## Observation Lesson No. 6

Date 21/2/15

Duration of the period 30 मिनट

Pupil Teacher's Name सौ. निखा

Pupil Teacher's Roll No. 1425

Class सातवीं

Average Age of the pupils 13

Subject हिन्दी शिक्षण

Topic काल और उसके भेद

- ① कक्षा अनुशासित थी।
- ② उदाहरणों द्वारा सुन्दर स्पष्टीकरण किया गया।
- ③ श्यामपट्ट पर सुन्दर लिखावट में स्पष्ट थी।
- ④ गृह कार्य दिया गया।

Sign. of Pupil Teacher

Sign. of Supervisor



## Observation Lesson No. 7

Date... 22/2/15

Duration of the period... 30 मिनट

Pupil Teacher's Name... सावित्री

Pupil Teacher's Roll No. 1425

Class... छठी

Average Age of the pupils... 12+

Subject... हिन्दी शिक्षण

Topic... दवाहरे पर निबंध

- ① सहायक सामग्री का प्रयोग किया गया।
- ② कक्षा अनुशासित थी।
- ③ आवाज में स्पष्टता थी।
- ④ गृह-कार्य दिया गया।

*Signature*  
Sign. of Pupil Teacher

Sign. of Supervisor

## Observation Lesson No. 8

Date... 24/2/15

Duration of the period... 30 मिनट

Pupil Teacher's Name... सावित्री

Pupil Teacher's Roll No. 1425

Class... सातवीं

Average Age of the pupils... 12+

Subject... हिन्दी शिक्षण

Topic... काल व उसके भेद

- ① उदाहरणों का प्रयोग किया गया।
- ② सहायक सामग्री का प्रयोग किया गया।
- ③ आवाज स्पष्ट थी।
- ④ गृहकार्य दिया गया।

*Signature*  
Sign. of Pupil Teacher

Sign. of Supervisor



## Observation Lesson No. 9

Date..... 25/2/15

Duration of the period..... 30 मिनट

Pupil Teacher's Name..... रौमिया

Pupil Teacher's Roll No. 1425

Class..... सातवीं

Average Age of the pupils..... 12+

Subject..... हिन्दी शिक्षण

Topic..... वाक्य

- ① सहायक सामग्री का प्रयोग किया गया। ①
- ② आवाज स्पष्ट थी। ②
- ③ कक्षा में अनुशासन था। ③
- ④ गृह कार्य दिया गया। ④

*Asakher*

*Daraj*

Sign. of Pupil Teacher

Sign. of Supervisor

## Observation Lesson No. 10

Date..... 26/2/15

Duration of the period..... 30 मिनट

Pupil Teacher's Name..... रौमिया

Pupil Teacher's Roll No. 1425

Class..... आठवीं

Average Age of the pupils..... 13+

Subject..... हिन्दी शिक्षण

Topic..... व्याकरण संधि

- ① उदाहरणों का प्रयोग किया गया। ①
- ② कक्षा अनुशासित थी। ②
- ③ आवाज स्पष्ट थी। ③
- ④ गृह कार्य दिया गया। ④

*Asakher*

*Daraj*

Sign. of Pupil Teacher

Sign. of Supervisor



## Observation Lesson No. 11

Date... 27/2/15

Duration of the period... 30 m

Pupil Teacher's Name... समीक्षा

Pupil Teacher's Roll No. 1425

Class... सातवा

Average Age of the pupils... 12+

Subject... हिन्दी शिक्षण

Topic... विराम चिह्न

- ① कक्षा अनुशासन में थी।
- ② सहायक सामग्री का प्रयोग किया गया।
- ③ श्यामपट्ट पर सुन्दर लिखावट थी।
- ④ गृह-कार्य दिया गया।

Sign. of Pupil Teacher

Sign. of Supervisor

## Observation Lesson No. 12

Date... 28/2/15

Duration of the period... 30 मिनट

Pupil Teacher's Name... समीक्षा

Pupil Teacher's Roll No. 1425

Class... आठवा

Average Age of the pupils... 13+

Subject... हिन्दी शिक्षण

Topic... शब्द रचना

- ① कक्षा अनुशासित थी।
- ② छात्र अध्यापिका की आवाज स्पष्ट थी।
- ③ कक्षा-कक्षा वातावरण नाटकीय मैचन द्वारा प्रभावशाली था।
- ④ गृह-कार्य दिया गया।

Sign. of Pupil Teacher

Sign. of Supervisor



# SCHOOL REPORT

मेरा नाम सरोज लकवाड़ है।

हमें स्कूल टिचिंग प्रोग्राम के दौरान जिस विद्यालय में भेजा गया वह 25 कि०मी० की दूरी पर स्थित है।

इस विद्यालय में लगभग 25 कमरे हैं, जिसमें

क) 1 रिसैल्वीन कम

ख) 1 प्राधानाचार्य कक्ष

ग) 1 स्टाफ कक्ष

घ) 1 लंच कम है।

इस स्कूल में प्रातः प्रार्थना होती है प्रार्थना में "आज का विचार" व "समाचार" सुनाए जाते तदोपरान्त सभी विद्यार्थी अपनी-2 कक्षाओं में पंक्तिबंध होकर प्रस्थान करते हैं और इस प्रकार आरंभ होता है शिक्षण दिनचर्या।

विद्यालय के सभी शिक्षक व शिक्षिकाएँ अत्यंत मिलनसार व सहायक प्रवृत्ति के हैं। सभी ने हमारा भरपूर सहयोग किया एवं शिक्षण के दौरान हमें सुझाव दे कर हमारे शिक्षण कौशल को उन्नत बनाने में सहायता की।

यहाँ के विद्यार्थी भी अत्यंत अनुशासित व व्यवहार कुशल हैं।

स्कूल की सुरक्षा की दृष्टि से व अनुशासन बनाए रखने के लिए पूरे स्कूल में कैमरे लगाए गए हैं।

विद्यालय का पूरा वातावरण शिक्षण प्रक्रिया के अनुकूल रहा।

अतः मैं यहाँ पढ़ाकर सन्तुष्ट व खुश हूँ।